Website : www.mantrabharat.com
जुनून है सच लिखने का
E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 284
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
सोमवार, 20 अक्टूबर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 रवि नाइक ने कुलों और मुंडकारों के लिए काम ... 4 इस्राइल-हमास युद्धविराम : आशा की किरण ... 7 बल्लेबाजों ने किया निराश, ऑस्ट्रेलिया ने ...

संक्षिप्त न्यूज

विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम आयु कम करने का प्रस्ताव पारित होगा : तेलंगाना के मुख्यमंत्री

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने रविवार को कहा कि राज्य विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया जाएगा, जिसमें विधानसभा चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 25 वर्ष से घटाकर 21 वर्ष करने के लिए संविधान में संशोधन करने की मांग की जाएगी।

उन्होंने न्यूनतम आयु में बदलाव के अपने प्रस्ताव को समय की मांग बताया और इस बात पर जोर दिया कि युवाओं को देश की सक्रिय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए।

मुख्यमंत्री यहां राजीव गांधी सद्भावना यात्रा स्मृति दिवस में भाग लेने और वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद को राजीव गांधी सद्भावना पुरस्कार प्रदान करने के बाद बोल रहे थे।

रेड्डी ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की मतदान करने की न्यूनतम आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष करने के लिए प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे देश में संसदीय लोकतांत्रिक भावना को मजबूत करने में मदद मिली।

रेड्डी ने कहा कि 21 वर्षीय आईएएस और आईपीएस अधिकारी जिलों में सफलतापूर्वक काम कर रहे हैं और उन्होंने जानना चाहा कि 21 वर्ष की आयु में कोई विधायक क्यों नहीं बन सकता?

रेड्डी ने कहा, आने वाले दिनों में तेलंगाना विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया जाएगा, जिसमें विधानसभा चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 25 से घटाकर 21 वर्ष करने के लिए संविधान संशोधन की मांग की जाएगी। युवाओं को देश चलाने का अवसर दिया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि यह जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में मतों को बांटने के लिए भाजपा की बी टीम है।

उन्होंने आरोप लगाया, बीआरएस ने 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के साथ एक गुप्त समझौता किया।

'जरूरतमंदों के जीवन में खुशियां लाने का अवसर है दिवाली'

राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति व पीएम ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दीपोत्सव की पूर्व संध्या पर रविवार को देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और सभी से सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल तरीके से त्योहार मनाने का आह्वान किया। मुर्मू ने कहा कि यह त्योहार वंचितों और जरूरतमंदों की मदद करने और उनके जीवन में खुशियां लाने का भी अवसर है।

अपने संदेश में राष्ट्रपति ने कहा, यह त्योहार अंधकार पर प्रकाश, अज्ञान पर ज्ञान और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। पूरे देश में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाने वाला दिवाली का पावन अवसर आपसी स्नेह और भाईचारे का संदेश देता है। इस दिन श्रद्धालु धन और समृद्धि की देवी देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं। उन्होंने कहा कि खुशी का यह त्योहार आत्मचिंतन और आत्मसुधार का भी अवसर है। मुर्मू ने कहा, मैं सभी से सुरक्षित, जिम्मेदारीपूर्वक और पर्यावरण-अनुकूल तरीके से दिवाली मनाने का आग्रह करती हूं। यह दिवाली सभी के

लिए खुशी, शांति और समृद्धि लाए।

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने रविवार को दीवाली की पूर्व संध्या पर लोगों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि दीवाली अज्ञान पर ज्ञान की विजय का प्रतीक है। उपराष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा कि दीवाली के समय हमारे सभ्यता और संस्कृति में निहित दयालुता, परोपकार और सबको साथ लेकर चलने के मूल्य चमकते हैं। यह समय है जब हमें जरूरतमंदों और गरीबों की मदद करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि इस साल दीवाली मनाते समय हमें नकारात्मकता और अधर्म को त्यागकर सकारात्मकता और धर्म को अपनाना चाहिए, ताकि यह न केवल हमारे व्यक्तिगत जीवन के लिए बल्कि पूरे देश की प्रगति के लिए भी लाभकारी हो। साथ ही, पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद, उनकी पत्नी और बेटी ने उपराष्ट्रपति से दीवाली की शुभकामनाएं देने के लिए उनका वाइस प्रेसिडेंट एन्क्लेव में दौरा किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीवाली के मौके पर नागरिकों से स्वदेशी उत्पाद खरीदने और 140 करोड़ भारतीयों की मेहनत का जश्न मनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'आइए इस त्योहार पर हम 140 करोड़ भारतीयों की मेहनत, रचनात्मकता और नवाचार का उत्सव मनाएं।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें भारतीय उत्पाद खरीदने चाहिए और गर्व से कहें, यह स्वदेशी है। उन्होंने लोगों से सोशल मीडिया पर अपने खरीदे गए उत्पाद साझा करने का भी आग्रह किया, ताकि और लोग भी प्रेरित हों।

प्राचीन काल में भारतीयों ने संस्कृति का प्रचार प्रसार किया, किसी पर आक्रमण नहीं किया: भागवत

नई दिल्ली।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि प्राचीन काल में भारत के लोग संस्कृति और विज्ञान का प्रचार प्रसार करने के लिए दुनिया भर में घूमें लेकिन उन्होंने कभी किसी पर न तो आक्रमण किया और न ही धर्मांतरण कराने में लिप्त हुए। यह बात उन्होंने यहां 'आर्य युग विषय कोश' की शुरुआत के अवसर पर कही।

भागवत ने कहा कि कई आक्रमणकारियों ने भारत को लूटा और दास बनाया और आखिरी बार आक्रमण करने वालों ने भारतीयों के मस्तिष्क को लूटा। उन्होंने कहा, "हमारे पूर्वज मेक्सिको से साइबेरिया तक गए और दुनिया को विज्ञान व संस्कृति सिखाई। उन्होंने किसी का धर्मांतरण नहीं किया और न ही आक्रमण किया। हम सद्भावना और एकता का संदेश लेकर गए।"

भागवत ने कहा, "कई आक्रमणकारी आए और हमें लूटा, दास बनाया। आखिरी आक्रमणकारियों ने हमारे मस्तिष्क को लूटा। हम अपनी ताकत ही भूल गए और यह भी भूल गए कि हम दुनिया के साथ क्या साझा कर सकते है।" उन्होंने कहा, "आध्यात्मिक ज्ञान अब भी फल-फूल रहा है और आर्यवर्त के वंशज के तौर पर हमारे पास विज्ञान व अस्त्र-शस्त्र, शक्ति व सामर्थ्य, आस्था व ज्ञान है।

घर में रखे देसी पटाखों में धमाका, चार लोगों की मौत, आस-पास के घरों को भी नुकसान

चेन्नई। चेन्नई के पास थंडुरै इलाके में रविवार को एक घर में रखे देसी पटाखों के फटने से चार लोगों की मौत हो गई। धमाके में मकान के कई हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस ने बताया कि घर का उपयोग पटाखे के भंडारण और बिक्री दोनों के लिए किया जा रहा था।

तमिलनाडु में चेन्नई के पास थंडुरै इलाके में रविवार को हुए एक भीषण धमाके में चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हादसा एक मकान में हुआ जहां देसी (कंट्री-मेड) पटाखे बड़ी मात्रा में रखे गए थे। धमाका इतना जबरदस्त था कि मकान के कई हिस्से ढह गए और आसपास की इमारतों को भी नुकसान पहुंचा। फायर एंड रेस्क्यू सर्विसेज के कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

अवडी पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह मकान पटाखों के भंडारण और खुदरा बिक्री के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। हादसे के सही कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

बारिश को लेकर सीएम स्टालिन ने अधिकारियों को किया सतर्क, तटीय इलाकों से लोगों को हटाने के निर्देश

चेन्नई। तमिलनाडु में लगातार हो रही बारिश के बीच मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने रविवार को राज्य के अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं। सीएम ने कहा है कि तटीय और निचले इलाकों में रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया जाए। मौसम विभाग ने आगामी 21 और 22 अक्तूबर को भारी वर्षा की चेतावनी दी है।

चेन्नई स्थित राज्य आपात संचालन केंद्र से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए स्टालिन ने सभी जिला कलेक्टरों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने पूर्वोत्तर मानसून से निपटने की तैयारियों और अब तक हुए नुकसान की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। राहत शिविरों में भोजन, पानी और स्वास्थ्य सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है।

राज्य सरकार की रिपोर्ट के अनुसार, 16 से 18 अक्तूबर के बीच कन्याकुमारी, तेनकासी, विरुधुनगर, रामनाथपुरम, थेनी, कोयंबटूर और नीलगिरी जिलों में औसतन 12 मिमी बारिश दर्ज की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकांश किसानों ने अपनी कटी हुई धान की फसल को पहले ही सुरक्षित रूप से गोदामों में रख दिया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीद केंद्रों से धान की बोरियों को जल्द से जल्द गोदामों तक पहुंचाया जाए।

स्टालिन ने कहा कि बारिश की तीव्रता चाहे जितनी भी हो, सरकार पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अगर बारिश से जनजीवन प्रभावित होता है तो राहत शिविरों को तत्काल सक्रिय कर दिया जाए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि किसानों की फसल खरीद प्रक्रिया किसी भी हालत में बाधित न हो।

मुख्य सचिव एन.ए. मुरुगनंदम ने बैठक में बताया कि राज्य के सभी प्रभावित जिलों में बचाव और राहत कार्य तेज़ी से चल रहे हैं। सभी विभागों को एक समन्वित रणनीति के तहत काम करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत सहायता पहुंचाई जा सके। तमिलनाडु सरकार ने साफ किया है कि मौसम की किसी भी चुनौती से निपटने में प्रशासन पूरी तरह सक्षम है। लोगों को सतर्क रहने और जरूरत पड़ने पर सरकारी सहायता केंद्रों से संपर्क करने की अपील की गई है।

मुख्यमंत्री ने सरकारी कर्मचारियों के लिए डीए समेत दिवाली बोनस की घोषणा की

अमरावती **(एजेंसी)**। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने दिवाली के मौके पर सरकारी कर्मचारियों के लिए एक नवंबर से महंगाई भत्ते समेत कई लाभों की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महंगाई भत्ते (डीए) पर प्रति माह 160 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

नायडू ने शनिवार देर रात एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा, "दिवाली उत्सव पैकेज के तहत हम एक नवंबर से कर्मचारियों को महंगाई भत्ते की एक किस्त जारी कर रहे हैं।"

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि सरकार पुलिस विभाग के अर्जित अवकाश भुगतान के एक हिस्से का भुगतान करेगी और इस राशि को 105 करोड़ रुपये की दो बराबर किस्तों में विभाजित करेगी।

नायडू ने बताया कि कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना को 60 दिन के भीतर सुव्यवस्थित किया जाएगा और उन्होंने घोषणा की कि सेवानिवृत्ति से पहले 180 दिन का बाल देखभाल अवकाश लिया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री के अनुसार, सरकारी कर्मचारी संघों के कार्यालयों की इमारतों का संपत्ति कर माफ कर दिया गया है और सड़क परिवहन निगम (आरटीसी) के कर्मचारियों को दिवाली उपहार के रूप में पदोन्नति दी गई है।

तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख ने कहा कि कुछ पदों का नाम बदला जाएगा। उन्होंने कर्मचारी संघों से वेतन संशोधन आयोग (पीआरसी) का मुद्दा उन पर छोड़ने का आग्रह किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस संबंध में घोषणा बस कुछ ही दिन में की जाएगी। नायडू ने कहा कि राज्य सरकार ने वित्तीय संकट के बावजूद कर्मचारियों को 15, 921 करोड़ रुपये का बकाया जारी किया है।

विमान में महिला को अनुचित तरीके से छूने के आरोप में एक यात्री को गिरफ्तार किया गया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। चेन्नई से हैदराबाद जा रही एक उड़ान में 38 वर्षीय महिला आईटी पेशेवर को अनुचित तरीके से छूने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि यह घटना शुक्रवार को तब हुई जब चेन्नई में काम करने वाला 45 वर्षीय एक व्यक्ति हैदराबाद होते हुए उत्तर प्रदेश जा रहा था और कथित तौर पर नशे में था। महिला अपने पति के साथ बैठी थी जबकि आरोपी यात्री विमान में उनके बगल में बैठा था।

पुलिस ने बताया कि पति-पत्नी विमान में सो गए थे और जब विमान यहां हवाई अड्डे पर उतरने वाला था तो महिला को लगा कि कोई उसे अनुचित तरीके से छू रहा है तभी उसने उस व्यक्ति के हाथ को देखा और शोर मचा दिया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि विमान के हवाई अड्डे पर उतरने के बाद महिला ने राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आरजीआईए) पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जिसके आधार पर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। उसने दावा किया कि उसने महिला को गलती से छुआ था। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

बिहार चुनाव से पहले व्ळ को झटका

पूर्व एमएलसी संजीव श्याम सिंह जन सुराज में शामिल

पटना **(एजेंसी)**। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जनता दल यूनाइटेड को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधान पार्षद संजीव श्याम सिंह रविवार को जन सुराज पार्टी में शामिल हो गए हैं। वह अब जन सुराज की तरफ से गुरुआ सीट से उम्मीदवार होंगे।

इससे एक दिन पहले, उन्होंने जदयू की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था, जिसमें उन्होंने पार्टी पर उपेक्षा (नजरअंदाज करने) का आरोप लगाया था।

जन सुराज में शामिल होने के बाद पूर्व जदयू नेता संजीव श्याम सिंह ने अपनी पुरानी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, 'मैंने कल ही पार्टी से इस्तीफा दिया है। पार्टी (जदयू) अब पहले जैसी नहीं रही। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पहले जिस तरह से कार्यकर्ताओं से सीधा बात करते थे, वह अब नहीं हो रहा है। कुछ तत्वों ने पार्टी पर कब्जा कर लिया है।'

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि इस पार्टी में बने रहने का कोई मतलब नहीं है। यह पार्टी ठप हो गई है।' उन्होंने आरोप लगाया कि 'नीतीश कुमार की खराब सेहत का फायदा उठाकर कुछ लोगों ने पार्टी पर कब्जा कर लिया है और वे इसे अलग दिशा में ले जाना चाहते हैं।' उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर ही एकमात्र ऐसे नेता हैं जो ईमानदार हैं और समाज के लिए काम करना चाहते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि किशोर राज्य के विकास के लिए काम करेंगे। बिहार विधानसभा की 243 सीटों पर दो चरणों में मतदान होगा: 6 नवंबर और 11 नवंबर को। वोटों की गिनती और नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

असम के मुख्यमंत्री ने सीतारमण की यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की

गुवाहाटी **(एजेंसी)**। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अगले महीने होने वाली यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि तैयारियां समन्वित तरीके से पूरी की जाएं।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया, 'हिमंत विश्व शर्मा ने माननीय केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण की सात और आठ नवंबर को होने वाली असम यात्रा की तैयारियों की समीक्षा के लिए आज (शनिवार को) दिसपुर में एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।'

पोस्ट में कहा गया, 'शर्मा ने माननीय मंत्री की यात्रा के दौरान निर्धारित कार्यक्रमों व आयोजनों का विस्तृत जायजा लिया और अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सभी तैयारियां समय पर व समन्वित तरीके से की जाएं।

दिल्ली-देहरादून हाईवे पर पूर्व ण्श हरीश रावत की कार दुर्घटनाग्रस्त, बाल-बाल बचे

नई दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत शनिवार को उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में अपनी कार के दुर्घटनाग्रस्त होने से बाल-बाल बच गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक (यातायात) राघवेंद्र मिश्रा ने पीटीआई-भाषा को बताया कि यह दुर्घटना शाम 7:30 बजे से 8 बजे के बीच खरोली के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-58 पर हुई। यह घटना उस समय हुई जब रावत का काफिला दिल्ली से देहरादून जा रहा था।

एसपी मिश्रा ने बताया कि अचानक एक व्यक्ति पुलिस एस्कॉर्ट वाहन के सामने आ गया। एस्कॉर्ट वाहन को अचानक ब्रेक लगाना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप उसके पीछे चल रहे कई वाहन आपस में टकरा गए। इन वाहनों में मुख्यमंत्री की कार भी शामिल थी।

अधिकारी के अनुसार, कांग्रेस नेता के साथ मौजूद पुलिसकर्मियों ने रावत को क्षतिग्रस्त वाहन से सुरक्षित बाहर निकाला और तुरंत दूसरी कार में बिठाया, जिसके बाद काफिला देहरादून के लिए रवाना हो गया। मिश्रा ने पुष्टि की कि पूर्व मुख्यमंत्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। हालांकि, एस्कॉर्ट वाहन में सवार एक हेड कांस्टेबल को मामूली चोटें आईं। स्थानीय कांग्रेस नेता चौधरी यशपाल सिंह ने भी कहा कि रावत सुरक्षित हैं और पुलिस की त्वरित कार्रवाई के कारण एक बड़ा हादसा टल गया।

नासिक घटना से संबंधित भ्रामक समाचारों पर स्पष्टीकरण - कर्मभूमि एक्सप्रेस से कोई यात्री नहीं गिरा; यात्री आवागमन सामान्य, दीपावली भीड़ के लिए ठोस व्यवस्था की गई है

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

कुछ मीडिया एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नासिक स्टेशन पर हुई कथित घटनाओं से संबंधित भ्रामक और अप्रमाणित वीडियो प्रसारित किए जा रहे हैं। मध्य रेल स्पष्ट करती है कि प्रसारित कोई भी वीडियो नासिक स्टेशन का नहीं है। यह सभी समाचार तथ्यहीन एवं निराधार हैं। इस संबंध में आधिकारिक स्पष्टीकरण प्लेटफॉर्म 'X' (पूर्व में ट्विटर) पर जारी किया जा चुका है।

नासिक स्टेशन पर यात्री आवागमन पूर्णतः सामान्य है तथा दीपावली के अवसर पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन ने प्रभावी और सुरक्षित प्रबंधन हेतु व्यापक योजना लागू की है।

भीड़ नियंत्रण एवं निगरानीः

ट्रेनों में टिकट जांच अभियान को और अधिक सघन किया गया है।

अतिरिक्त वाणिज्यिक एवं आरपीएफ कर्मियों की तैनाती प्लेटफॉर्म पर नियंत्रण और भीड़ प्रबंधन हेतु की गई है।

सीसीटीवी के माध्यम से 24x7 निगरानी की जा रही है।

प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री अस्थायी रूप से रोकी गई है (वरिष्ठ नागरिकों या दिव्यांग यात्रियों के परिवारजनों को छोड़कर)।

मंडल मुख्यालय में 'वार रूम' 24x7 कार्यरत है, जो यात्री आवागमन और

स्टेशन गतिविधियों की सतत निगरानी कर रहा है।

त्वरित प्रतिक्रिया प्रणालीः

वार रूम द्वारा प्राप्त शिकायतों/मुद्दों पर प्राथमिकता से कार्रवाई की जाती है तथा संबंधित नामित अधिकारियों को तुरंत सूचित किया जाता है।

स्टेशनों एवं नियंत्रण कार्यों के लिए अधिकारी तैनात हैं, जो आवश्यकतानुसार त्वरित सुधारात्मक कदम उठाते हैं।

यात्री सुविधाएँः

नासिक स्टेशन पर 'होल्डिंग एरिया' पूर्णतः कार्यरत है और भीड़ नियंत्रण हेतु प्रभावी रूप से उपयोग में लाया जा रहा है।

ट्रेन संचालनः

ट्रेनों को उनके निर्धारित प्लेटफॉर्म पर ही लिया जा रहा है, जिससे यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

निवारक एवं सुरक्षा उपायः

निरंतर परामर्शः सभी लाबी (Crew Lobbies) पर 'क्रू लॉबी इंस्पेक्टर (CLI)' को 24x7 नियुक्त किया गया है, जो लोको पायलट (LP) एवं सहायक लोको पायलट (ALP) को परामर्श देते हैं। इसमें सुचारु ट्रेन संचालन, यात्रियों के चढ़ने-उतरने के लिए पर्याप्त समय देना तथा प्लेटफॉर्म पर एवं स्टेशनों को पार करते समय लगातार सीटी बजाने पर बल दिया गया है।

सीटी जागरूकताः लोको पायलट एवं सहायक लोको पायलट को विशेष रूप से भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में यात्रियों को सतर्क करने हेतु स्वतंत्र रूप से सीटी बजाने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रदर्शन बोर्डः सभी क्रू लॉबी में 'स्वतंत्र रूप से सीटी बजाएँ' ('Whistle Freely') के प्रमुख बोर्ड लगाए गए हैं, जिससे सुरक्षित प्रथाओं को बल मिले।

एफएसडी ऑडियो रिमाइंडरः 'फॉग सेफ डिवाइस (FSD)' में अब 'कृपया सीटी बजाएँ' ऑडियो संदेश जोड़ा गया है, जिससे लोको पायलटों को संचालन के दौरान याद रहे।

इंजीनियरिंग सतर्कताः

इंजीनियरिंग कर्मी मध्य खंडों में गश्त कर रहे हैं और सीटी बजाकर या अन्य माध्यमों से अवैध रूप से पटरियों पर आने वाले लोगों को सावधान या रोक रहे हैं, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके।

मध्य रेल आम जनता और मीडिया से अपील करती है कि अप्रमाणित सूचनाएँ प्रसारित न करें तथा केवल आधिकारिक माध्यमों पर उपलब्ध जानकारी पर ही विश्वास करें।

'महाज्योती' के माध्यम से होनहार विद्यार्थियों का सपना साकार करेंगे- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

'महाज्योती' की प्रशासनिक इमारत का भूमिपूजन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महात्मा ज्योतिबा फुले अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्था अर्थात महाज्योती की प्रशासनिक इमारत का कई वर्षों से सपना आज साकार हुआ है। आने वाले समय में यह प्रशासनिक इमारत आधुनिक और विद्यार्थियों के लिए सभी सुविधाओं से युक्त साबित होगी। हमने अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग की स्थापना की, जिसके कारण गति मिली। इस विभाग के माध्यम से होनहार नई पीढ़ी तैयार होगी तथा उनके सपनों को बल मिलकर वे आकाश में उड़ान भर सकेंगे, ऐसा विश्वास मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने व्यक्त किया।

सदर यहां के जिला योजना भवन परिसर में महाज्योती की प्रशासनिक इमारत के निर्माण का भूमिपूजन आज मुख्यमंत्री के हाथों से किया गया। इस समय वे बोल रहे थे। इस समय मंच पर राजस्व मंत्री तथा पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, अन्य पिछड़ा बहुजन कल्याण मंत्री अतुल सावे, वित्त और योजना राज्य मंत्री एड. आशीष जयस्वाल, गृह राज्य मंत्री पंकज भोयर, सांसद श्यामकुमार बर्वे, विधायक सर्वश्री प्रवीण दटके, परिणय फुके, कृष्णा

खोपड़े, विकास ठाकरे, चरणसिंह ठाकुर, आशीष देशमुख, संजय मेश्राम, जिलाधिकारी डॉ. विपीन इटनकर, महाज्योती के प्रबंध निदेशक मिलिंद नारिंगे आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ओबीसी समाज को आगे ले जाने के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू की गई हैं। इसमें प्रशिक्षण, स्व-रोजगार का समावेश है। ओबीसी समाज के बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए महाज्योती की स्थापना की गई है और इसके लिए पर्याप्त निधि उपलब्ध कराई गई है। आज ओबीसी बच्चों के लिए 60 से अधिक छात्रावास शुरू किए गए हैं। महाज्योती से प्रशिक्षण लेकर बच्चे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर रहे हैं, इस बात पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया। ओबीसी समाज की नॉन-क्रीमीलेयर सीमा हमने आठ लाख रुपए तक बढ़ाई है। ओबीसी समाज के कल्याण के लिए शासन तत्पर है, ऐसा उन्होंने कहा।

गिरिराज सिंह के 'नमक हराम' वाले बयान पर संजय राउत का बड़ा बयान- 'हिंदू भी उन्हें वोट नहीं दे रहे'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भारतीय जनता पार्टी के नेता और केंद्रीय मंत्री अक्सर अपने विवादित बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं, उन्होंने मुस्लिमों के लिए नमक हराम जैसा शब्द कहा जिसको लेकर सियासी उबाल आ गया है. शिवसेना नेता (उद्धव गुट) ने बयान की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि 2014 में मुसलमानों ने नरेंद्र मोदी को वोट दिया था और बीजेपी को बिहार-यूपी में समर्थन मिला, जबकि अब हिंदू भी बीजेपी को वोट नहीं दे रहे.

वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता सुरेन्द्र राजपूत ने गिरिराज सिंह के बयान की आलोचना करते हुए इसे समाज में बंटवारा करने वाला बताया. उन्होंने बीजेपी से इस बयान पर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है.

शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के नेता संजय राउत ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गिरिराज सिंह के बयान पर निशाना साधते हुए कहा कि गिरिराज सिंह ने दावा किया कि मुसलमान केंद्र सरकार की सभी योजनाओं का लाभ उठाते हैं, लेकिन बीजेपी को वोट नहीं देते. यह सच नहीं है. मुसलमानों ने 2014 में मोदी को वोट दिया था

और बीजेपी को बिहार और उत्तर प्रदेश में वोट मिले थे.

संजय राउत ने आगे कहा कि अब हिंदू भी उन्हें वोट नहीं दे रहे हैं. आप 'वोट चोरी' करके सत्ता में हैं. जब हिंदू आपको वोट नहीं दे रहे, तो क्या आप उन्हें भी 'नमक हराम' कहेंगे? प्रधानमंत्री मोदी को उन्हें मंत्रीमंडल से निकाल देना चाहिए. उधर लखनऊ में कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने गिरिराज सिंह के बयान की कड़ी आलोचना की. उन्होंने कहा कि गिरिराज सिंह का बयान सांप्रदायिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने वाला है. यह देश की एकता और अखंडता के खिलाफ है. केंद्र सरकार को तुरंत इस बयान पर कार्रवाई करनी चाहिए. सुरेन्द्र राजपूत ने मांग की कि भाजपा को अपने मंत्री के बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए.

बिहार में गिरिराज सिंह ने दिया था बयान

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने नमक हराम वाला बयान बिहार विधानसभा चुनाव रैली में दिया था, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल है.

'महाराष्ट्र में 96 लाख फर्जी वोटर', निकाय चुनाव से पहले राज ठाकरे का बड़ा हमला; ECI से की यह मांग

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने महाराष्ट्र में 96 लाख फर्जी वोटर जोड़े जाने का गंभीर आरोप लगाया है और चेतावनी दी है कि अगर वोटर लिस्ट को साफ नहीं किया गया, तो स्थानीय निकाय चुनावों की पारदर्शिता पर सवाल उठेंगे। उन्होंने चुनाव आयोग को खुली चुनौती दी, 'पहले मतदाता सूची साफ करें, फिर चुनाव कराएं।'

मुंबई में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राज ठाकरे ने कहा, 'अगर फर्जी वोटरों के सहारे चुनाव होंगे, तो यह महाराष्ट्र के मतदाताओं का सबसे बड़ा अपमान होगा।' उन्होंने दावा किया, मुंबई में 8 से 10 लाख, ठाणे, पुणे और नासिक में 8 से 8.5 लाख और बाकी अन्य जिलों में लाखों फर्जी नाम जोड़े गए हैं।

हाल ही में शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस, एनसीपी-एसपी और मनसे समेत कई

विपक्षी दलों ने राज्य निर्वाचन आयोग से शिकायत की थी। उनका कहना है कि मतदाता सूचियों में डुप्लिकेट नाम, फर्जी पते और गड़बड़ियां पाई गई हैं। विपक्ष चाहता है कि 31 जनवरी 2026 से पहले होने वाले ग्रामीण और शहरी निकाय चुनावों से पहले इन सूचियों में सुधार किया जाए।

महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग ने कहा, कोई भी राजनीतिक दल वोटर लिस्ट में छेड़छाड़ नहीं कर सकता। वोटर लिस्ट को अपडेट करने की प्रक्रिया सुरक्षित तरीके से चल रही है। वहीं राज ठाकरे ने बिना नाम लिए भाजपा पर तंज कसा, उन्होंने कहा, 'यह मायने नहीं रखता कि आप वोट डालते हैं या नहीं, मैच तो पहले ही फिक्स हो चुका है।' उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल विपक्ष की आलोचना से इसलिए परेशान हैं क्योंकि इससे उनकी रणनीति उजागर होती है।

राज ठाकरे बोले, 'जब वोटरों की गिनती ही गलत हो, तो हमारी पार्टी के विधायक और सांसद आएंगे कैसे?' पिछले साल राज्य चुनाव में मनसे को एक भी सीट नहीं मिली थी। ठाकरे ने कहा कि सत्ता में आने से पहले भाजपा भी निर्वाचन आयोग पर ऐसे ही आरोप लगाती थी।

पुणे कॉलेज ने जातिगत पक्षपात के दावे को किया खारिज, पूर्व छात्र ने कहा- जाति के कारण चली गई नौकरी

मुंबई। पुणे के मॉडर्न कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स पर जातीय भेदभाव के आरोपों को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। पूर्व छात्र प्रेम बिरहाड़े ने आरोप लगाया है कि कॉलेज ने जाति के आधार पर उनके नौकरी सत्यापन पत्र (वेरिफिकेशन) को रोका, जिसके चलते उन्हें लंदन की एक कंपनी में नौकरी का अवसर गंवाना पड़ा। वहीं, कॉलेज प्रशासन ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा है कि न तो किसी प्रकार का भेदभाव हुआ और न ही छात्र की नौकरी गई है।

दरअसल, बिरहाड़े, जो मॉडर्न कॉलेज में बीबीए के छात्र रह चुके हैं, ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर आरोप लगाया कि जब उन्होंने कॉलेज से नौकरी वेरिफिकेशन लेटर भेजने की मांग की, तो अधिकारियों ने उनसे उनकी जाति पूछी। उन्होंने कहा कि मैंने 2020 से 2023 तक कॉलेज में पढ़ाई की। मुझे लंदन की एक कंपनी में नौकरी मिली थी। कंपनी ने कॉलेज से वेरिफिकेशन मांगा, लेकिन कॉलेज ने जानबूझकर इसे रोका, क्योंकि मैं अनुसूचित जाति से हूं और बौद्ध धर्म का अनुयायी हूं। छात्र का दावा और सियासी प्रतिक्रिया

बिरहाड़े के इस आरोप ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया। एनसीपी (शरद पवार गुट) के नेता और विधायक रोहित पवार

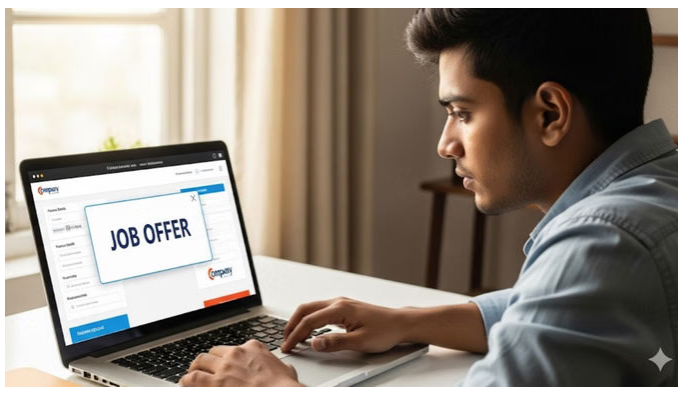

ने कॉलेज प्रशासन पर 'मनुवादी मानसिकता' का आरोप लगाते हुए कहा कि इस घटना ने संस्थान की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा कि अगर सत्यापन में देरी के कारण एक युवा की नौकरी चली गई, तो यह अन्याय है। कॉलेज को छात्र से माफी मांगनी चाहिए और ऐसी गलती दोबारा नहीं होनी चाहिए।

कॉलेज प्रशासन का स्पष्टीकरण

कॉलेज के उपप्राचार्य श्यामकांत देशमुख ने कहा कि बिरहाड़े के आरोप निराधार हैं। उन्होंने बताया कि प्रेम बिरहाड़े को पहले ही पढ़ाई पूरी करने के बाद सिफारिश पत्र दिया जा चुका था। लंदन की कंपनी ने 30 सितंबर को ईमेल भेजकर वेरिफिकेशन मांगा था, जिसमें कोई समयसीमा तय नहीं थी।

कॉलेज ने 14 अक्तूबर को विधिवत प्रमाणपत्र और आवश्यक जानकारी भेज दी। देशमुख ने यह भी कहा कि कॉलेज में 50 हजार से अधिक छात्र विभिन्न सामाजिक पृष्ठभूमियों से पढ़ते हैं, और यहां कभी भेदभाव की शिकायत नहीं हुई।

तकनीकी देरी और प्रक्रिया

कॉलेज का कहना है कि ईमेल में मांगी गई जानकारी नौकरी प्रोफाइल से जुड़ी विशेष श्रेणी एविएशन सेक्टर से संबंधित थी, इसलिए डेटा तैयार करने में थोड़ा समय लगा। देशमुख ने कहा कि चूंकि यह पहली बार था जब हमें किसी विदेशी नियोक्ता से ऐसी वेरिफिकेशन रिक्वेस्ट मिली थी, इसलिए सावधानी बरतनी पड़ी। सटीक जानकारी जुटाने के बाद ही जवाब भेजा गया।

इस बीच, कॉलेज प्रशासन ने दावा किया है कि बिरहाड़े की नौकरी नहीं गई है, बल्कि उनकी नियुक्ति प्रक्रिया जारी है। वहीं, रोहित पवार ने कॉलेज प्रशासन से आग्रह किया है कि छात्र को न्याय मिले और संस्था ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए पारदर्शी प्रक्रिया विकसित करे। मामला अब सामाजिक और राजनीतिक दोनों स्तरों पर चर्चा में है।

हत्या की कोशिश के मामले में ऑटो चालक बरी, अदालत ने घटना की उत्पत्ति पर उठाए सवाल

ठाणे। ठाणे की एक अदालत ने साल 2022 में एक व्यक्ति की हत्या की कोशिश के मामले में एक ऑटो-रिक्शा चालक को बरी कर दिया है। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष हमले से जुड़ी घटनाओं को साबित करने में विफल रहा, जिससे घटना की उत्पत्ति सवालों के घेरे में आ गई। ठाणे के मुख्य जिला एवं सत्र न्यायाधीश एस.बी. अग्रवाल ने एफआईआर और अदालत में पीड़ित की गवाही के बीच कई खामियां हैं।

अभियोजन पक्ष ने लगाए ये आरोप

अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपी जगदीश उर्फ यागदेव भीखो महतो (54 वर्षीय) ने 3 नवंबर, 2022 को महाराष्ट्र के ठाणे शहर के कोपरी इलाके में जब्बार अब्दुल रहमान मालगुडकर के सिर और हाथ पर धारदार हथियार से कथित तौर पर हमला किया। इसके बाद, आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास और अवैध हथियार रखने सहित विभिन्न आरोपों में प्राथमिकी दर्ज की गई। आरोपी और पीड़ित एक दूसरे के परिचित थे। पीड़ित ने गवाही दी कि दोनों साथ में नाश्ता करने बाहर गए थे। जब पीड़ित आरोपी के घर बिस्तर पर लेटा अपने मोबाइल फोन पर क्रिकेट मैच देख रहा था, तभी आरोपी अचानक रसोई में गया, वापस आया और उस पर हमला कर दिया।

अदालत ने उठाए सवाल

जस्टिस अग्रवाल ने पाया कि प्राथमिकी में एक पूर्व विवाद का उल्लेख था, जिसमें दावा किया गया था कि आरोपी इसलिए नाराज था क्योंकि पीड़ित ने उसे सोने की चेन और 10,000 रुपये देने से इनकार कर दिया था, लेकिन ये विवरण पीड़ित ने अदालत में गवाही के दौरान छिपाए थे। अदालत ने अभियोजन पक्ष द्वारा पेश घटनाओं के क्रम को भी अविश्वसनीय पाया। अदालत ने कहा, 'यह हैरान करने वाला है कि खुशी-खुशी साथ में नाश्ता करने और कमरे में आने के बाद, अचानक ऐसा क्या हुआ कि आरोपी ने पीड़िता पर हमला कर दिया, यह बात साबित नहीं होती। इससे घटना की उत्पत्ति पर संदेह पैदा होता है।' अदालत ने कहा कि सबूत भी पीड़ित के बयान से मेल नहीं खाते, और मेडिकल सर्टिफिकेट में तीन साधारण चोटों का संकेत मिलने से मामला और भी कमजोर हो गया, जिससे हत्या के प्रयास का आरोप और भी जटिल हो गया।

पश्चिम रेलवे

विद्युतीकरण एवं प्रकाश व्यवस्था कार्य

उप मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण), पश्चिम रेलवे, बीआरसी निविदा सूचना संख्याः TR-C-04-2025-P दिनांक 17.10.2025 आमंत्रित करता है। **कार्य एवं स्थानः** प्रतापनगर, वडोदरा में नव विस्तारित सीपीएम-सी-बीआरसी कार्यालय भवन के साथ-साथ टाइप-V अधिकारी स्टाफ क्वार्टर की 02 इकाइयों का विद्युतीकरण एवं प्रकाश व्यवस्था कार्य। **कार्य की अनुमानित लागतः** 35,81,310.96 **बोली सुरक्षा राशिः** 71,600/- **बोली प्रारंभ होने की तिथि एवं समयः** 28.10.2025 **निविदा समापन की तिथि एवं समयः** 11.11.2025 को 15.00 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। 0724

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पकड़ा गया बार्क का फर्जी वैज्ञानिक, तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच की अपराध खुफिया इकाई (आईसीयू) ने अन्य केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग से एक फर्जी वैज्ञानिक को गिरफ्तार किया है, जो खुद को भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी/बार्क) का वरिष्ठ वैज्ञानिक बताता था। गिरफ्तार शख्स की पहचान अख्तर हुसैन कुतुबुद्दीन अहमद (60) के रूप में हुई है। अहमद को अदालत में पेश किया गया जहां उसे तीन दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी के पास से बीएआरसी के फर्जी परिचय पत्र (आईडी) के अलावा कई जाली दस्तावेज बरामद किए गए हैं। जांच एजेंसियों को संदेह है कि आरोपी ने बीएआरसी से जुड़ी खुफिया जानकारी निजी ऑपरेटरों के साथ साझा की। फिलहाल, केंद्रीय एजेंसियां इस बात की जांच कर

रही हैं कि क्या अहमद ने कोई संवेदनशील जानकारी विदेश स्थित किसी व्यक्ति या एजेंसियों को बेची है। सूत्रों ने बताया कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है इसलिए क्राइम ब्रांच समेत अन्य एजेंसियां उससे लगातार पूछताछ कर रही है। आरोपी अख्तर हुसैन कुतुबुद्दीन अहमद पिछले कुछ वर्षों में कई विदेश यात्राएं कर चुका है जिससे एजेंसियों का संदेह और गहरा गया है।

गौरतलब है कि, इसी तरह के मामले में आरोपी अख्तर हुसैन कुतुबुद्दीन अहमद को 2004 में खुफिया एजेंसी (आईबी) ने दुबई से भारत प्रत्यर्पित किया था। तब उसे दुबई पुलिस ने अरब राजनयिकों को भारतीय परमाणु कार्यक्रम की कथित जानकारी बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया था। उससे चार दिन तक गहन पूछताछ की गई थी। लेकिन, बाद में वह जमानत पर छूट गया था।

मुंबई से सटे ठाणे में बड़ा हादसा, चॉल का छज्जा गिरने से दो लोग घायल, सील किए गए 6 फ्लैट

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के ठाणे में दिवाली से एक दिन पूर्व 19 अक्टूबर को बड़ा हादसा हो गया है, ठाणे शहर में स्थित एक चॉल के छज्जे का कुछ हिस्सा गिर गया. इस घटना में दो लोगों के घायल होने की सूचना है. घायलों को अस्पताल में भिजवाया गया है. नगर निगम के अधिकारियों ने इस घटना के बारे में रविवार को जानकारी दी है.

घटना के बाबत ठाणे नगर निगम (टीएमसी) के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने जानकारी देते हुए बताया है कि यह घटना शनिवार रात करीब नौ बजे कलवा इलाके के विटावा में स्थित 25-30 साल पुराने धर्म निवास चॉल में हुई. उन्होंने बताया कि छज्जे का कुछ हिस्सा गिरने से दो लोग पहली मंजिल से नीचे गिर गए. उन्हें

तुरंत इलाज के लिए कलवा के एक अस्पताल ले जाया गया.

आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि चॉल में 20 फ्लैट हैं, जिनमें 45 से 50 लोग रहते हैं और यह इमारत खतरनाक इमारतों की सूची में शामिल नहीं थी. उन्होंने यह भी बताया है कि घटना के बाद आपातकालीन टीम घटनास्थल पर पहुंचीं.

खतरनाक स्थिति के चलते छह फ्लैट कराए गए सील

उन्होंने बताया कि शेष संरचना की खतरनाक स्थिति को देखते हुए छह फ्लैट को खाली कराकर सील कर दिया गया और उसकी बिजली आपूर्ति काट दी गई. अधिकारी ने बताया कि निवासियों को अस्थायी रूप से दूसरी जगह रहने के लिए कहा गया है. टीएमसी का निर्माण विभाग विस्तृत कार्रवाई करेगा.

आपको बता दें कि, इससे पहले 8 सितंबर को ठाणे में एक इमारत का ढह गया था, जिसकी चपेट में आने से वहां से गुजर रही एक 62 वर्षीय महिला की मौत हो गई थी. जबकि इस दुर्घटना में मृतका की बहू घायल हो गई थी.

पश्चिम रेलवे

दीवार का निर्माण

मंडल रेल प्रबंधक (पश्चिम रेलवे), पश्चिम रेलवे, छठी मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई 400 008 निविदा सूचना संख्याः BCT/25-26/248 दिनांक 16.10.2025 आमंत्रित करता है। कार्य और स्थानः जोरवासन, सूरत खंड (i) सर्विस रोड उपयोगकर्ताओं के लिए असामान्य स्थिति से बचने हेतु पहुँच दीवारों को ऊँचा करना, पंप रूम, क्रॉस ड्रेन की व्यवस्था करना और ADEN सूरत क्षेत्राधिकार के अंतर्गत LHS संख्या 120, 121, 122 पर बॉक्स के अंदर रिसाव की मरम्मत करना। (ii) सर्विस रोड उपयोगकर्ताओं के लिए असामान्य स्थिति से बचने हेतु पहुँच दीवारों को ऊँचा करना, पंप रूम, क्रॉस ड्रेन की व्यवस्था करना और ADEN सूरत क्षेत्राधिकार के अंतर्गत LHS संख्या 134, 136 और 138 पर बॉक्स के अंदर रिसाव की मरम्मत करना। **लगभग। कार्य की लागतः** 4,10,65,807.39 **अग्रिम जमा राशिः** 3,55,300/- **जमा करने की तिथि एवं समयः** 11.11.2025, 15.00 बजे तक। **आवेदन खोलने की तिथि एवं समयः** 11.11.2025 को 15.30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 0717

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

रवि नाइक ने कुलों और मुंडकारों के लिए काम करके एक विरासत बनाई- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

पूर्व मुख्यमंत्री रवि नाइक को गणमान्य लोगों ने श्रद्धांजलि दी

पणजी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पूर्व मुख्यमंत्री रवि नाइक को श्रद्धांजलि देते हुए संत तुकाराम महाराज के अभंग का उल्लेख करते हुए एक गौरवपूर्ण वक्तव्य दिया, 'जे का रंजले, गंजले त्यासी मेहने जो आपुले...' रवि नाइक ने जमीनी स्तर पर आम लोगों और बेजुबानों के लिए काम किया और कुल और मुंडकारों के लिए एक विरासत बनाई।

पूर्व मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री रवि नाइक का मंगलवार, 14 अक्टूबर की रात निधन हो गया। उनके कार्यों को याद करने के लिए, गोवा सरकार द्वारा आज कला अकादमी में एक शोक सभा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत, स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे, ऊर्जा मंत्री सुदीन धवलीकर और कई मंत्री एवं विधायक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रवि नाइक के व्यक्तित्व के दो महत्वपूर्ण

पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 'लोग रवि नाइक के इन दो पहलुओं को हमेशा याद रखेंगे - गृह मंत्री के रूप में उनकी सशक्त भूमिका और कृषि मंत्री के रूप में उनकी संवेदनशीलता। उन्होंने जो विरासत बनाई, वह हमेशा अमर रहेगी। रवि नाइक एक बेहतरीन वॉलीबॉल खिलाड़ी थे और उन्होंने राजनीति में भी अपनी खेल भावना को बनाए रखा। उन्होंने अपने जीवन में कई बार जीत और हार का सामना किया, लेकिन उन्होंने कभी भी अपनी खेल भावना नहीं छोड़ी। उन्होंने अपने जीवन में बहुत संघर्ष किया, लेकिन व्यक्तिगत रूप से किसी से घृणा नहीं की। वे समाज के शोषित, वंचित और वंचित वर्गों की आवाज़ बने।

बहुजन समाज के एक नेता और एक कुशल प्रशासक

गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने रवि नाइक को बहुजन समाज का कार्यवाही बताया। उन्होंने कहा, 'सम्पूर्ण समाज को एक साथ लाने के उनके प्रयासों को हमेशा याद रखा जाएगा। चाहे वह कुल-मुण्डाकार का क्षेत्र हो या कृषि का, उनका योगदान अतुलनीय है। वे राज्य के युवाओं के लिए प्रेरणा थे। कई विभागों को संभालते हुए उन्होंने आम जनता के कल्याण को प्राथमिकता दी।' विभिन्न क्षेत्रों में किए गए विकास को सभी सदैव याद रखेंगे।

कुंडई स्थित तपोभूमि के श्री ब्रह्मानंद महाराज ने रवि नाइक के योगदान को याद करते हुए कहा कि तपोभूमि का निर्माण रवि के कारण ही हुआ है। उद्यमी अवधूत टिंबलो ने इस अवसर पर रवि नाइक के व्यक्तित्व और नेतृत्व के विशेष गुणों को याद किया। बिजली मंत्री सुदीन धवलीकर ने अपनी भावनाएँ व्यक्त करते हुए कहा कि रवि नाइक का नाम भाऊसाहेब बंदोदकर और शशिकला काकोडकर जैसे नेताओं की श्रेणी में आता है। अधिवक्ता रमाकांत खलप ने अपनी भावनाएँ व्यक्त करते हुए कहा कि भाऊसाहेब बंदोदकर के बाद रवि नाइक ही बहुजन समाज के सच्चे नेता हैं।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्रीपद नाइक, सांसद सदानंद तनवड़े, विधानसभा अध्यक्ष गणेश गांवकर, स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे, दामू नाइक और विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों ने रवि नाइक को श्रद्धांजलि अर्पित की।

यह प्रशासनिक इमारत शिक्षा के साथ संस्कार और अनुसंधान के लिए आदर्श मानक सिद्ध होगी- मंत्री अतुल सावे

नागपुर स्थित महाज्योती की प्रशासनिक इमारत में वाचनालय, परामर्श कक्ष, प्रशिक्षण कक्ष, भोजन कक्ष और 248 विद्यार्थियों के निवास की सुविधा सहित सभी व्यवस्थाओं का समावेश होगा। यह इमारत शिक्षा, संस्कार और अनुसंधान का पवित्र संगम रहने वाली है। नाशिक में भी महाज्योती संस्था के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र के निर्माण के लिए 174 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है, ऐसा मंत्री श्री सावे ने इस समय कहा। महाज्योती संस्था से प्रशिक्षण लेकर सफल विद्यार्थियों का प्रतीकात्मक सत्कार तथा महाज्योती की सफलता गाथा पुस्तिका का प्रकाशन किया गया। साथ ही सात मंज़िली प्रशासनिक इमारत निर्माण की वीडियो फिल्म दिखाई गई। कार्यक्रम का प्रस्तावित भाषण महाज्योती के प्रबंध निदेशक मिलिंद नारिंगे ने किया। आभार मुख्य लेखा अधिकारी प्रशांत वावगे ने माना। सूत्र संचालन दिनेश मासोडकर ने किया।

शैक्षणिक प्रगति की नींव रखने वाला क्षण- पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले

मुंबई(संवाददाता) । राजस्व मंत्री तथा पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पहल से महाज्योती संस्था की स्वतंत्र इमारत की नींव आज रखी गई है। यह ऐतिहासिक क्षण है। नागपुर की भूमि पर अब 'महाज्योती' की भव्य 7 मंज़िली प्रशासनिक इमारत तैयार होने जा रही है। यह केवल इमारत का ही नहीं बल्कि शैक्षणिक प्रगति की नींव रखने वाला क्षण है, ऐसा प्रतिपादन उन्होंने इस समय किया।

ऐसी होगी सात मंज़िली प्रशासनिक इमारत

मुंबई(संवाददाता)। राज्य के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए निर्मित होने वाली भव्य 7 मंज़िली प्रशासनिक इमारत का निर्माण नागपुर सुधार न्यास (एनआईटी) के माध्यम से हो रहा है। महाज्योती की कार्यक्षमता और सेवा क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि करने वाला यह आधारभूत उपक्रम सिद्ध होने जा रहा है। इस प्रशासनिक इमारत में बेसमेंट क्रमांक 1 और 2 में पर्याप्त वाहन पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी। भूतल पर 500 लोगों की क्षमता वाला ऑडिटोरियम, अध्ययन कक्ष, नियंत्रण कक्ष और उपहार गृह होगा। पहली और दूसरी मंज़िल पर अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए बैठक व्यवस्था तथा प्रशासनिक सभागार होंगे। तीसरी मंज़िल पर अभिलेख कक्ष और उपहार गृह, जबकि चौथी, पाँचवीं, छठी और सातवीं मंज़िल पर प्रशिक्षण कक्ष और बैठक व्यवस्था की जाएगी। यह इमारत आधुनिक तकनीक, पर्यावरण अनुकूल निर्माण और कार्यक्षम स्थान नियोजन का सुंदर संगम सिद्ध होने जा रही है।

सरकार बाढ़ प्रभावित किसानों की मदद के लिए प्रतिबद्ध, उनकी दिवाली खराब नहीं होने देंगे-शिंदे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुम्बई **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि सरकार राज्य के बाढ़ प्रभावित किसानों को मुआवजा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और उनकी दिवाली फीकी नहीं होने देगी।

राज्य में आगामी स्थानीय निकाय चुनाव के लिए उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के बीच गठबंधन की अटकलों पर शिंदे ने शनिवार को कहा कि जो लोग अपने सिद्धांतों पर अडिग नहीं रहेंगे उन्हें जनता नकार देगी।''

उन्होंने कहा, ''कुछ नेता कह रहे थे कि अगर दो ठाकरे एक साथ आ गए तो कमाल हो जाएगा। लेकिन ठाणे की जनता उन्हें दिखा देगी कि कौन मालिक है। जो लोग अपने सिद्धांतों पर अडिग नहीं रहेंगे उन्हें जनता नकार देगी।''

शनिवार देर रात ठाणे में अपनी पार्टी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिंदे ने कहा, ''दिवाली शुरू हो गई है और हम इसे खुशी से मना रहे हैं। लेकिन इन खुशियों के बीच मराठवाड़ा में बाढ़ के कारण दुख है और किसान रो रहे हैं।'' उन्होंने मराठवाड़ा बाढ़ पर अपनी पार्टी की तत्काल प्रतिक्रिया पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिवसेना कार्यकर्ताओं को आपदा राहत को प्राथमिकता देने के लिए विशेष निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे कार्यकर्ता प्रभावित इलाकों में गए और हमने उनसे दशहरा रैली (मुंबई में) में नहीं आने और वहीं रहकर किसानों की मदद करने को कहा। हमने प्रभावित लोगों को सहायता किट भेजीं और उनकी मदद की। मुझे गर्व है कि हमारे कार्यकर्ता जरूरत के समय किसानों के साथ खड़े रहे।'' शिंदे ने कहा कि प्रभावित लोग अच्छे से दिवाली मना सकें इसके लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस नीत महायुति सरकार वित्तीय सहायता देने में तेजी लाई है। उप-मुख्यमंत्री ने बिना किसी का नाम लिए अपने विरोधियों खासकर उन लोगों पर निशाना साधा, जिन्होंने उन पर राजनीतिक अवसरवादिता और उनके गुरु (दिवंगत) आनंद दिघे का अपमान करने का आरोप लगाया था।

मुंबई हवाई अड्डे पर 1.6 करोड़ रुपये मूल्य का विदेशी सोना जब्त, दो सफाई कर्मचारी गिरफ्तार

मुम्बई **(एजेंसी)**। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने मुंबई हवाई अड्डे पर दो सफाई कर्मचारियों को 1.6 करोड़ रुपये मूल्य के विदेशी सोने की तस्करी की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि जांच में पता चला है कि तस्करी गिरोह ने विमान में सोना छिपाने के लिए विदेशी यात्रियों का इस्तेमाल किया था, जिसे बाद में हवाई अड्डे के कर्मचारियों ने अन्य कर्मचारियों की मदद से बरामद कर लिया। अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपी एक हवाई अड्डा सेवा कंपनी के कर्मचारी हैं और उन्हें शनिवार को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि सीमा शुल्क अधिनियम के तहत कुल 24 कैरेट शुद्धता वाला 1.2 किलोग्राम सोना जब्त किया गया, जिसकी कीमत लगभग 1.6 करोड़ रुपये है।

नासिक में बड़ा हादसा, छठ के लिए घर जा रहे तीन यवक ट्रेन से गिरे, दो की मौत, एक गंभीर

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के नासिक रोड रेलवे स्टेशन के पास शनिवार देर रात एक बड़ा हादसा हो गया. छठ पूजा के लिए घर जा रहे तीन यात्री ट्रेन से नीचे गिर गए. हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची. घायल शख्स को तुरंत एंबुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसका इलाज चल रहा है.

ट्रेन छूटने के बाद हुई घटना

शनिवार रात ट्रेन लोकमान्य तिलक टर्मिनस से रक्सौल (बिहार) के लिए नासिक रोड रेलवे स्टेशन पर रुके बिना ही आगे बढ़ गई. इसके बाद ओढ़ा रेलवे स्टेशन के स्टेशन प्रबंधक आकाश ने नासिक रोड रेलवे विभाग से संपर्क कर बताया कि ट्रेन छूटने के कुछ देर बाद जेल रोड हनुमान मंदिर के पास ढिकले नगर इलाके में तीन युवक ट्रेन के नीचे

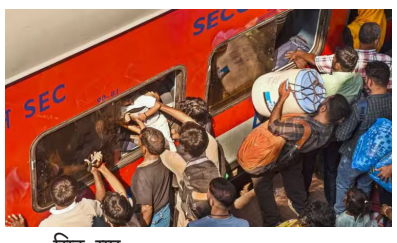

गिर गए.

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया

घटना की सूचना मिलने पर नासिक रोड पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जितेंद्र सपकाले के मार्गदर्शन में पुलिस उपनिरीक्षक माली, पुलिस कांस्टेबल भोले और एक टीम घटनास्थल पर पहुंची. भुसावल की ओर जाने वाले ट्रैक पर किमी 190/1 और 190/3 के बीच 30 से 35 वर्ष की आयु के दो युवक मृत पाए गए. एक युवक गंभीर रूप से घायल पाया गया.

गंभीर हालत में युवक को तुरंत एम्बुलेंस से जिला सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया. यात्रियों की पहचान अभी तक पुष्टि नहीं हुई है. छठ के चलते उत्तर भारत जाने वाली ट्रेनों में भारी भीड़ होती है. इसलिए प्रारंभिक जानकारी सामने आ रही है कि ट्रेन से गिरने के बाद यह दुर्घटना हुई.

फिलहाल जीआरपी और नासिक रोड पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है.

आयुक्त ने पांचों प्रभागो के खराब सड़कों की मरम्मत हेतु दिया पांच करोड़

भिवंडी मनपा की सड़कें जल्द होगी चकाचक

बारिश खत्म होने के बाद शुरू होगा सड़कों का गड्ढा भरने व मरम्मत का काम

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

कई माह से जारी मूसलाधार बारिश के कारण खराब हुई भिवंडी शहर की सड़कें जल्द ही चकाचक हो जाएगी।मनपा आयुक्त अनमोल सागर ने खराब सड़कों की मरम्मत के लिए पांचों प्रभागों को 5 करोड़ रुपया दिया है।अब जब बारिश खत्म हो गई है तो सड़कों की मरम्मत का कार्य शुरू हो जाएगा।

भिवंडी मनपा आयुक्त अनमोल सागर ने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष करीब 70 मि.ली.ज्यादा बरसात हुई है।जिसके कारण शहर के सभी प्रमुख रास्तों पर हुए गड्ढों के कारण सड़क बदतर हालात में है।खराब रास्तों के कारण शहर वासियों को काफी तकलीफों का सामना करना पड़ रहा है।मनपा आयुक्त ने बताया कि अभी भी बरसात खत्म नही हुआ है।इस कारण रास्तों का मरम्मत कार्य नहीं हो पा रहा है। मनपा आयुक्त ने बताया की भिवंडी शहर 26 किलो मीटर में फैला हुआ है। पॉवरलूम उद्योग के कारण शहर में बड़े पैमानों पर भारी वाहनों का आवागमन होता है। शहर में बड़े पैमाने पर ड्रेनेज लाईन का भी काम चालू है। जिसके कारण भी शहर के रास्ते खराब हुए है।उन्होंने बताया कि ईद व गणेशोत्सव के दौरान शहर के रास्तों के गढ्ढे भरे गए थे।लेकिन भारी बरसात के कारण सब पानी में बह गए। बरसात के बाद शहर के सभी प्रमुख रास्तों का काम प्रमुखता से किया जाएगा। इसके लिए शहर के पांचों प्रभाग समितियों को 5 करोड़ रूपये का आवंटन किया गया है।जिसके तहत सभी प्रभाग को अपने अपने क्षेत्र में एक एक करोड़ रुपया खर्च कर गड्ढों को भरने व पेचअप का कार्य किया जाएगा।जिसका ठेका भी पांचों प्रभाग में पांच अलग अलग ठेकेदारों को दिया गया है।दिवाली के बाद सड़क रिपेयरिंग का कार्य तेजगति से शुरू किया जाएगा।

इधर कार्यकारी शहर अभियंता सचिन नाईक ने बताया कि भिवंडी शहर के 52 मुख्य मार्गों के कांक्रीटीकरण का कार्य एमएमआरडीए द्वारा किया जाना है।जिसमे से 37 रास्तों का पूरा हो चुका है।जबकि 5 सड़को का काम आधे लेंथ तक हो चुका है।सचिन ने बताया कि बच्चे हुए 10 सड़को के निर्माण का अभी तक राज्य सरकार की तरफ से फंड नहीं मिला है और इसके मंजूरी का प्रोसेस चल रहा है।फंड मिलते ही इसका भी कार्य शुरू हो जाएगा।जिसके तैयार होने के बाद शहर में खराब सड़को की समस्या काफी हद तक खत्म हो जाएगा।यानी आगामी कुछ दिनों में भिवंडी की सारी सड़कें चकाचक हो जाएगी।

आयुक्त ने ईटीसी केंद्र में दिव्यांग बच्चों के साथ मनाई दिवाली

मुंबई । नवी मुंबई नगर निगम ईटीसी दिव्यांग शिक्षा, प्रशिक्षण एवं सेवा सुविधा केंद्र दिव्यांग बच्चों को सभी सामाजिक आयोजनों, हमारी परंपराओं और संस्कृति से अवगत कराने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है। इसी क्रम में, हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी दिव्यांग बच्चों के साथ दिवाली मनाई गई।

इन दिव्यांग बच्चों की खुशी में शामिल होने के लिए नवी मुंबई नगर निगम के आयुक्त विशेष रूप से उपस्थित थे। डॉ. कैलाश शिंदे की उपस्थिति ने दिव्यांग बच्चों की खुशी को दोगुना कर दिया। वसुबार दिवाली का पहला दिन होता है, इसलिए आयुक्त द्वारा ईटीसी केंद्र में प्रतीकात्मक रूप से गौ माता की पूजा की गई।

दिवाली के उपलक्ष्य में पूरे केंद्र को रंगोली से सजाया गया था। केंद्र को बच्चों द्वारा बनाए गए आकाशदीपों और दीपों की मालाओं से सजाया गया था। बड़ी संख्या में दिव्यांग बच्चे अपने अभिभावकों के साथ उपस्थित थे।

कार्यक्रम का परिचय और अतिथियों का स्वागत ईटीसी केंद्र निदेशक डॉ. अनुराधा बाबर ने किया। नन्हे-मुन्ने दिव्यांग बच्चों ने दिव्यांग बच्चों द्वारा बनाए गए पनात्या और तुलसी के पौधे देकर आयुक्त महोदय को दिवाली की शुभकामनाएँ दीं। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने कहा कि माता-पिता ही दिव्यांग बच्चों के पहले विशेष शिक्षक होते हैं और कहा कि भविष्य में ईटीसी केंद्र में शिक्षा, उपचार और व्यावसायिक शिक्षा जैसी गतिविधियों के माध्यम से दिव्यांग बच्चों को रोजगार उपलब्ध कराने की योजना बनाई जाएगी।

दीवाली से पहले व्यापारियो के दिवालिया होने का भय

भिवंडी में मंदी व आर्थिक तंगी से दीपावली त्यौहार का रौनक गायब

भीषण मंदी से पावरलूम उद्योग का कारोबार चौपट

भिवंडी। विगत कई वर्षों से लगातार कपड़ा व्यापार में मंदी व आर्थिक तंगी का भीषण संकट झेल रहे पावरलूम उद्योग से जुड़े कारखाना मालिक व मजदूरों की दीवाली इस वर्ष फीकी हो रही है।मालिक व मजदूर कैसे दीवाली मनाए उनके सामने समस्या बन गई है।जबकि मार्केट से मंदी के कारण दीवाली का रौनक गायब है।जिसे लेकर लोगों में कोई उत्साह नहीं दिखाई दे रहा है।दीवाली से पहले लूम उद्योग से जुड़े व्यापारी दिवालिया होने की कगार पर खड़े हैं। पावरलूम उद्योग नगरी भिवंडी पिछले एक दशक से भीषण आर्थिक संकट व मंदी के दौर से जूझ रही है। व्यापार में भारी घाटा उठा रहे लूम कारखाना मालिक व कपड़ा व्यवसाय से जुड़े व्यापारी की पूरी पूँजी लगभग टूट चुकी है। सैकड़ों कपड़ा व्यापारी कर्ज के बोझ से दबे हुए हैं। इसी कारण भिवंडी में आने वाला दिवाली का त्यौहार भी केवल औपचारिकता के तौर पर मनाया जाएगा।जिसका कारण मार्केट से पैसे का गायब होना है।पावरलूम मालिकों का कहना है कि दूसरे प्रदेश के व्यापारी कम भाव में कपड़ा की मांग करते है ।इस कारण ,कारखाना मालिको को अपना कपड़ा घटे में बेचना उनकी मजबूरी बन गई है। पहले से उत्पादन किया हुआ कपडे का भारी स्टाक जमा है। इसके साथ ही कपड़ा व्यापार जगत से जुड़े लोगों का यह भी मानना है कि लागत से कम दाम में कपड़ा खरीदने वाले बड़े व्यापारी कपड़ा खरीदते हैं । कैश में बेचे हुए कपडे की पेमेंट एक माह में मिलती है और उधारी(क्रेडिट) में बेचे हुए कपडे का पेमेंट अब 60 दिन की जगह 90 दिन व 120 दिन में भी मिलना मुश्किल हो गया है।पूरी पूँजी का पैसा बाजार में उधार डालकर आज ग्रे कपड़ा व्यापारी कंगाल हो गया है।बाजार में कब किसका दिवाला निकल जाएगा इसका कोई भरोसा नहीं है।इस बात से कपड़ा व्यापारी व यार्न व्यापारी की नींद हराम हो गयी है।एक दशक में आर्थिक घाटे के कारण एक दर्जन व्यापारी ने करोड़ों रुपये का दिवाला मारकर भूमिगत हो गए है।आर के टेक्सटाइल्स के मालिक राकेश केसरवानी व पॉवरलूम उद्योग से जुड़े उद्योगपति व कारोबारियों का कहना है कि बाजार में रोटेशन से धंधा करने वाले कब तक इसकी टोपी उसके सिर फिराते रहेंगे।ऐसी स्थिति में न तो लूम मालिक के पास दीवाली मानाने का पैसा है और न ही वे इस वर्ष अपने मजदूरो को दीवाली पर बोनस व मिठाई देने के मुड़ है।पैसे के आभाव में लूम उद्योग से जुड़े लोग कैसे दीवाली मनाए उनके सामने गंभीर समस्या खड़ी हो गई है।कुल मिलकर तंगी व मंदी से जूझ रही लूम उद्योग से जुड़े लोग इस बार फीकी दीवाली होने जा रहा है।जिसे लेकर लोगो में कोई उत्साह नहीं दिख रही है।दीवाली से पहले बाजार से दीवाली की रौनक गायब है।

सम्पादकीय

बिहार की नई राजनीतिक करवट से विकास और सुरक्षा की मिलेगी गारंटी

बिहार विधानसभा चुनाव 2025, कई मायने में राष्ट्रीय और सूबाई राजनीति को प्रभावित करेगा, क्योंकि 2026 में पश्चिम बंगाल और 2027 में उत्तरप्रदेश में भी विधान सभा चुनाव होने हैं। यही नहीं, पूर्वी भारत की सुरक्षा को भी यह चुनाव सुनिश्चित करेगा। इस चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की रीति-नीति, कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन का अंतर्कलह और मशहूर चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की नवस्थापित पार्टी जनसुराज द्वारा उठाए हुए मुद्दे गहरा असर डालेंगे। वहीं, एआईएमआईएम और अन्य छुटभैये दलों की कोशिशें मतदाताओं के मनोमिजाज पर क्या रंग जमाएंगी और अपने साइलेंट मतदान ट्रेंड से वो क्या गुल खिलाएंगे, इसका पता तो 14 नवंबर को ही पता लग पायेगा, क्योंकि राजनीतिक रूप से यह प्रदेश बहुत ही जागरूक प्रदेश है। महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रहे आम बिहारियों के दिल मे अब सामाजिक न्याय से भी ज्यादा हिंदुत्व की लहरें उफान मार रही हैं। क्योंकि उन्हें पता है कि इस्लामिक देशों और चीन-अमेरिका के सहयोग से बनने वाले 'ग्रेटर बंगलादेश' से शांतिप्रिय बिहार भविष्य में गुजरात, राजस्थान, पंजाब और जम्मूकश्मीर की तरह ही युद्ध भूमि भी बन सकता है।

बिहार के लोगों को यह भी पता है कि उनके पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जिन अल्पसंख्यकों की राजनीति कर रहे हैं, उससे बंगलादेश का षड्यंत्र सफल हो या न हो, लेकिन पूर्वी भारत निकट भविष्य में रक्तरंजित भी हो सकता है। इसलिए विकसित, समृद्ध और ज्ञान की संस्कृति की रक्षा के लिए बिहार वासी कुछ ठोस व कड़ा निर्णय भी ले सकते हैं। उन्हें पता है कि इंडिया गठबंधन के राजद, कांग्रेस, भाकपा माले, वीआईपी, वामपंथी दलों की विचारधारा भी पाकिस्तान-बंगलादेश की सरकारों से काफी मिलती जुलती है। इसलिए यदि इन्हें नहीं रोका गया तो संभव है कि भविष्य में ये लोग बिहार को भी उसमें शामिल करवा दें।

ऐसा इसलिए कि टीवी स्क्रीन और सोशल मीडिया पर इंडिया गठबंधन के नेताओं के जो हिन्दू विरोधी बयान और कार्यप्रणाली सामने आती रहती है, इससे बिहार के मतदाता अपने राज्य के भविष्य को लेकर चिंतित रहते हैं। बीते वर्षों में उन्होंने महसूस किया है कि राज्य में जंगलराज (2000-2005) का पर्याय बन चुका राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद का कुनबा और उनके सरदार तेजस्वी यादव, पूर्व उपमुख्यमंत्री जनता दल यूनाइटेड के नेता व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सहयोग से ब्रेक के बाद सत्ता में आ जाते हैं, इसलिए इसबार ऐसा रणनीतिक मतदान किया जाए कि ऐसी किसी सियासी बात की संभावना भी नहीं बचे।

बिहार से जुड़े सूत्र बताते हैं कि सूबे में भाजपा के अलावा जनसुराज का प्रदर्शन अच्छा हो सकता है, क्योंकि लालू प्रसाद और नीतीश कुमार की कारगुजारियों से प्रबुद्ध बिहारी बहुत ही नाराज चल रहे हैं और ग्राम स्तर पर वह नए बिहार का निर्माण करने के लिए एक मुहिम चला रहे हैं। यह गैर धार्मिक और गैर जातीय मुहिम है, जिसका मकसद बिहार के विकास और किसी भी अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र से बिहार की सुरक्षा की बात उनके एजेंडे में है। यही वजह है कि राष्ट्रवादी भाजपा और उसके सहयोगियों के अलावा जनसुराज के प्रत्याशियों की ओर वे करवट ले रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का भी मानना है कि आपसी दांवपेंच से परेशान एनडीए के नेताओं और बिखरे या कई सीटों पर आपस में ही नूराकुश्ती करने वाले इंडिया गठबंधन के नेताओं के अलावा जो नया विकल्प मौजूद है, उसे ही इस बात मजबूत विपक्ष की जिम्मेदारी मिलने लायक जनसमर्थन दे दिया जाए, इससे राष्ट्रवादी सरकार के बनने और जनहित के मुद्दे पर उसे सक्रिय करने की गारंटी मिल जाएगी। इसलिए सच कहूं तो राजनीतिक अहंकार और बुद्धिजीवियों की बिखरी टंकार के बीच बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की चुनावी लड़ाई दिलचस्प होने जा रही है। जैसे-जैसे चुनाव प्रचार जोर पकड़ेगा, बुद्धिजीवियों की निर्दलीय और सर्वदलीय राजनीतिक मुहिम तेज होती जाएगी। सीट बंटवारे में जो कलह दिखाई दी, उसके पीछे भी इन्हीं बुद्धिजीवियों के हाथ की खबरें हैं। खासकर कांग्रेस के लिए नई राजनीतिक जमीन तैयार करने वाले बुद्धिजीवी तो इस बात पर अड़े हुए हैं कि किसी भी कीमत पर अपने दूरगामी राजनीतिक हितों से समझौता नहीं करना है। इससे स्पष्ट है कि यूपी में जो गलती 2022 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव किये थे, 2025 में वही गलती दुहराकर तेजस्वी यादव भी सियासी रूप से अप्रासंगिक हो जाएंगे। स्पष्ट है कि बिहार की नई राजनीतिक करवट से विकास और सुरक्षा दोनों की गारंटी मिलेगी।

इस्राइल-हमास युद्धविराम : आशा की किरण या अस्थायी विराम?

गाज़ा की धरती लम्बे दौर से संघर्ष, हिंसा, विनाश और तबाही की त्रासदी की गवाह रही है, आज फिर एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ शांति की एक हल्की किरण दिखाई तो देती है, परंतु उसके चारों ओर धुएँ और राख का अंधकार अब भी विद्यमान है। हाल ही में हुए युद्ध-विराम ने न केवल मध्यपूर्व बल्कि समूचे विश्व को राहत की एक साँस दी है। गाजा में अमन-चैन की ओर जो सुखद कदम बढ़े हैं, उनका स्वागत होना चाहिए। परंतु यह सवाल भी उतना ही प्रासंगिक है कि क्या यह शांति स्थायी होगी, या यह केवल अगली लड़ाई से पहले का ठहराव भर है? समूची दुनिया चाहती है कि यह युद्ध विराम स्थायी हो क्योंकि इस्राइल और हमास के संघर्ष ने करीब बाइस लाख से अधिक लोगों को बेघर करके भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया है। ऐसे में दोनों पक्षों के लिये समझौते के पहले चरण को पूरी तरह से लागू करना बेहद जरूरी होगा। जिसमें बंधकों व कैदियों की रिहाई, गाजा में मानवीय सहायता को अनवरत जारी रखना और इस्राइली सेनाओं की गाजा के मुख्य शहरों से आंशिक वापसी सुनिश्चित करना भी शामिल है। यह सब दूसरे चरण की बातचीत पर निर्भर हैं।

यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो इसके बाद ही दूसरे चरण की बातचीत की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। यह बेहद मुश्किल चुनौतियों वाला चरण होगा। इस दौरान कई संवेदनशील मुद्दे सामने होंगे। सबकी निगाह इस पर होगी कि शांति समझौते के अगले चरण कब पूरे होते हैं और वे सही तरह पूरे होते भी हैं या नहीं? इस पर संशय इसलिए है, क्योंकि यह स्पष्ट नहीं कि इजरायली सेना गाजा में कितना पीछे हटेगी और वहां के प्रशासन को संचालित करने का कैसा तंत्र तैयार होगा और क्या उस पर हमास सहमत होगा? इसके अतिरिक्त जहां हमास को हथियार छोड़ने हैं, वहीं इजरायल को स्वतंत्र फिलस्तीन देश की राह आसान करनी है। हमास का

कहना है कि हथियार तब छोड़े जाएंगे, जब स्वतंत्र फिलस्तीन का रास्ता साफ होगा। इस पर इजरायल तैयार नहीं दिख रहा है। यह ठीक है कि स्वयं की ओर से प्रस्तावित गाजा शांति समझौते पर अमल शुरू होने के अवसर पर मिस्र जाने के पहले इजरायल पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी पहल को पश्चिम एशिया में शांति की स्थापना का पथ करार दिया और इजरायली प्रधानमंत्री से ईरान से समझौता करने को कहा। ऐसे किसी समझौते की सूरत तब बनेगी, जब ईरान इजरायल को मिटाने की अपनी जिद छोड़ेगा।

गाज़ा की वर्तमान स्थिति किसी एक राष्ट्र या एक नीति की देन नहीं है; यह दशकों से चली आ रही अविश्वास, असमानता और राजनीतिक स्वार्थों की परिणति है। इस बार के संघर्ष ने जिस तरह से निर्दोष नागरिकों, बच्चों और महिलाओं को अपना शिकार बनाया, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि युद्ध चाहे किसी भी नाम पर लड़ा जाए, उसका परिणाम हमेशा मानवीय त्रासदी ही होता है। अस्पताल, विद्यालय, धार्मिक स्थल-कोई भी स्थान सुरक्षित नहीं रहा। अमेरिकी मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते के बाद हमास ने आखिरकार शेष जीवित बचे बीस इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया। जिसके बाद इस्राइल में किसी बड़े उत्सव जैसा जश्न दिखा। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अभी भी इस्राइल-हमास जोखिमभरा युद्धविराम समझौता नाजुक बना हुआ है। इसकी वास्तविक परीक्षा आने वाले दिनों में होगी। इस संघर्षरत क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये जरूरी है कि प्रमुख हितधारकों की ओर से गंभीर एवं ईमानदार प्रयास लगातार होते रहें। वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती भूतहा खण्डहर एवं तबाही में तब्दील हो चुके गाजा के पुनर्निर्माण की होगी। दो साल से लगातार जारी युद्ध के चलते यह इलाका मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है।

एक नाजुक समय में जब युद्धविराम की घोषणा हुई, तो यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं है, बल्कि मानवीय विवेक का पुनर्जागरण भी है। यह समझना आवश्यक है कि शांति कोई समझौता नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आवश्यकता है। यही कारण है कि यह युद्धविराम पूरी मानवता के लिए एक 'आशा की किरण' बनकर उभरा है। यह उस संभावना का प्रतीक है कि जब दुनिया के शक्तिशाली देश, विशेषकर अमेरिका, यूरोप, और अरब राष्ट्र अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं से ऊपर उठकर मानवीय सरोकारों को महत्व देते हैं, तो समाधान की दिशा में रास्ता बनता है। फिर भी इस शांति की वास्तविकता पर प्रश्नचिह्न बने हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भले ही इस युद्धविराम को अपने कूटनीतिक प्रयासों की उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया हो, पर सच यह है कि युद्ध तब रुका जब उसकी भयावहता अपनी चरम सीमा पर पहुँच चुकी थी। यह विराम किसी की 'कूटनीति की जीत' से अधिक, मानवीय विवशता की उपज है। अंतरराष्ट्रीय दबाव, मानवीय संगठनों की सक्रियता और आम नागरिकों की पुकार ने मिलकर इस विराम को संभव बनाया। अब सबसे बड़ी चुनौती यह है कि यह शांति टिके, युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला फैले। क्योंकि जब तक गाज़ा के लोगों को जीवन की मूलभूत सुविधाएँ-पानी, भोजन, दवा, शिक्षा और सम्मानजनक जीवन नहीं मिलते, तब तक शांति केवल कागज़ों पर दर्ज रहेगी। वास्तविक शांति केवल तब संभव है जब अन्याय, दमन और असमानता के ढाँचे टूटें। शांति का अर्थ केवल हथियारों का मौन नहीं, बल्कि हृदयों का परिवर्तन है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजरायली संसद को संबोधित करते हुए गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया की ऐतिहासिक सुबह की संज्ञा दी। वे कुछ भी दावा करें, फिलहाल यह कहना कठिन है कि प्रमुख मुस्लिम देश इजरायल को मान्यता देने के लिए तैयार होंगे। भले ही ट्रंप यह कह रहे हों कि गाजा शांति समझौते को सभी मुस्लिम देशों का समर्थन मिला, लेकिन वस्तुस्थिति इससे अलग है। जब यह समझौता सामने आया था, तब उसे समर्थन देने और ट्रंप की प्रशंसा करने वालों में पाकिस्तान भी था, पर अब वह इस समझौते को समर्थन देने से केवल पीछे ही नहीं हट गया, बल्कि उसने अपने यहां ऐसा माहौल बनाया कि उसके विरोध में कट्टरपंथी तत्व सड़क पर उतर आए। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि पाकिस्तान ने गाजा शांति समझौते को नकारने के लिए ही कट्टरपंथी तत्वों को सड़कों पर उतरने के लिए उकसाया और फिर उन पर गोलियां भी चलवाईं, ताकि दुनिया और विशेष रूप से अमेरिका को यह संदेश जाए कि उसके लिए गाजा शांति समझौते को स्वीकार करना संभव नहीं। यहां अमेरिका को पाक के दोहरे चरित्र को समझ लेना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ, अरब लीग और विश्व की सभी बड़ी शक्तियों की जिम्मेदारी है कि वे इस युद्धविराम को केवल घोषणा भर न रहने दें। उसे स्थायी बनाने के लिए एक ठोस मानवीय पुनर्निर्माण योजना तैयार की जाए, जिसमें राजनीतिक समाधान, मानवीय सहायता और संवाद-तीनों को समान महत्व मिले। गाज़ा के बच्चे जब फिर से स्कूलों में लौटेंगे, जब शरणार्थी अपने घरों में बस सकेंगे, जब भय की जगह भरोसा जन्म लेगा, तभी यह कहा जा सकेगा कि गाज़ा में शांति आई है। इजरायल को यहां ज्यादा उदारता का परिचय देना होगा, क्योंकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह बहुत ताकतवर है।

हमास को भी हिंसा से बचना चाहिए। द्वि-राष्ट्रीय व्यवस्था को जमीन पर ठीक से साकार करना हमास का लक्ष्य होना चाहिए । हमास को अपनी छवि सुधारने की चिंता करनी चाहिए, अगर उस पर यकीन किया गया है, तो उसे खरा उतरना होगा। गाजा में किसी भी सूरत में हिंसा की वापसी नहीं होनी चाहिए। आज यह युद्धविराम भले ही 'एक आशा की किरण' बना हो, परंतु उसे स्थायी प्रकाश में बदलना विश्व समुदाय के विवेक, संवेदनशीलता और सतत प्रयास पर निर्भर करता है।

संकल्प से सिद्धि की ओर अग्रसर माओवाद का समापन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में गृहमंत्री अमित शाह ने देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बने माओवाद को मार्च 2026 तक समाप्त करने का जो संकल्प लिया है वह अब सिद्धि की ओर अग्रसर है। देश का एक बहुत बड़ा भू भाग जो विकास की मुख्यधारा से अलग था अब शेष भारत के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को तत्पर है। माओवाद का अंत गृहंमत्री अमित शाह के संकल्प व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास मन्त्र से ही संभव हो सका है।

आज छत्तीसगढ़ वेह नक्सवलादी आतंकवाद के लिए कुख्यात बस्तर में तिरंगा फहरा रहा है और नक्सलवादियों के गढ़ में गृहमंत्री अमित शाह की जनसभाएं हो रही हैं। गृहमंत्री नक्सलवादियों को स्पष्ट संदेश देते हैं कि, 'माओवादियों आपके पास अब दो ही विकल्प बचे हैं या तो समर्पण कर दें या फिर एनकाउंटर के लिए तैयार रहें'। इस सख्ती का ही असर है कि 17 अक्टूबर 2025 को छत्तीसगढ़ में एक साथ 210 माओवादियों ने समर्पण किया है।

उधर महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के समक्ष छह करोड़ रुपए के इनामी माओवादी पोलित ब्यूरो सदस्य मल्लेजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति उर्फ सोनू उर्फ अभय ने 60 साथियों सहित बंदूक छोड़कर विकास कि राह थाम ली है। इन माओवादियों ने 54 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया है जिनमें सात एके 47 और नौ इंसास राइफलें है। भूपति माओवादी संगठन में सबसे प्रभावशाली रणनीतिकारों में माना जाता था और उसने लंबे समय तक महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर अभियानों का नेतृत्व किया। भूपति वही खतरनाक माओवादी आतंकवादी है जिसने छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ के 76 जवानों का नरसंहार किया था।

महाराष्ट्र का गढ़चिरौली जिला दशकों से माओवादी गतिविधियों का केंद्र रहा है। इस क्षेत्र के शीर्ष माओवादी का समर्पण शेष बचे हुए नक्सलियों खासकर निचले स्तर के कैडर को सीधा संदेश दे रहा है कि अब जब उनका सबसे बड़ा और अनुभवी नेता हथियर डाल रहा है तो उनके पास भागने या छिपने का कोई रास्ता नहीं बचा है। इससे वे भी समर्पण करने के लिए मन बनायेंगे। यह समर्पण छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, तेलंगाना जैसे राज्यों के लिए शांति का बड़ा संकेत है। भूपति व उसके साथियों के समर्पण करने से माओवादियों की सबसे मजबूत दीवार ढह गई है।

जनवरी 2023 में गृहमंत्री अमित शाह ने माओवाद के खिलाफ ऑपरेशन को हरी झंडी दी, उसके बाद से अब तक सुरक्षाबलों ने 312 माओवादियों को मार गिराया है। मारे गए माओवादियों में में सीपीआई माओवादी महासचिव वासव राजू समेत पोलित ब्यूरो और केंद्रीय समिति के आठ सदस्य भी शामिल हैं। 21 जनवरी 2024 से लेकर अब तक माओवाद के खिलाफ अनेक ऑपरेशन सफलतापूर्वक चलाए जा चुके हैं, जिनमें 836 माओवादी गिरफ्तार किये गए हैं और 1639 आत्मसमपर्ण कर चुके हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में पोलित ब्यूरो और एक केंद्रीय समिति सदस्य शामिल है।

वर्ष 2010 में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय मनमोहन सिंह ने माओवाद को भारत की सबसे बड़ी चुनौती बताया था किंतु उस समय राजनैतिक कारणों से माओवाद के पूर्ण सफाए का कोई ब्लूप्रिंट नहीं बन पाया था। मनमोहन सरकार के कार्यकाल में माओवादी बहुत बड़ी चुनौती थे। यह लोग नेपाल के पशुपतिनाथ से आंध्र प्रदेश के तिरुपति तक लाल कारिडोर बनाने का सपना देख रहे थे। यह लोग भारत, भारत के संविधान और भारत कि सनातन संस्कृति से बैर रखते हैं। इनको सशक्त राष्ट्र नहीं चाहिए।

वर्ष 2013 में विभिन्न राज्यों के 126 जिलों के माओवादी हिंसा से ग्रस्त होने की रिपोर्ट केंद्र को भेजी गई थी। वर्ष 2014 में मोदी सरकार आने के बाद से मार्च 2025 तक यह संख्या 126 से घटकर केवल 18 जिलों तक सीमित रह गई है। वर्तमान में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 11 रह गई है। इनमें छत्तीसगढ़ के सात जिले, झारखंड का एक जिला पश्चिम सिंहभूम, मध्यप्रदेश का एक जिला बालाघाट, महाराष्ट्र का एक जिला गढ़ चिरौली और ओडिशा का एक जिला कंधमाल शामिल है। इनमें भी अब छत्तीसगढ़ के तीन जिले बीजापुर, नाराणपुर और सुकमा ही अति माओवादी प्रभावित बचे हैं।

वर्ष 2014 के पूर्व माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में 15 अगस्त और 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर तिरंगा फहराना अपराध माना जाता था, गरीबों के लिए सरकारी सहायता नहीं पहुच पाती थी और दूर दराज के गांवो से किसी भी माध्यम से संपर्क नहीं हो पाता था।

अब समय बदल चुका है, छत्तीसगढ़ के माओवाद से मुक्त हुए क्षेत्रों में विकास की नई गंगा बह रही है। बस्तर जैसे कुख्यात जिले मे तिरंगा शान से फहरा रहा है। युवा बड़ी संख्या में खेलो इंडिया जैसे कार्यक्रमों में भागीदारी कर रहे है। माओवादियों से मुक्त हुए क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का तीव्र विकास किया जा रहा है। कल्याणकारी योजनाएं लागू की जा रही हैं जिससे वहां की जनता दोबारा माओवादियों के दुष्प्रचार में न फंसे। माओवाद के विरुद्ध अभियान के अंतर्गत उनकी फंडिग को रोकने का काम भी किया जा है।

जैसे-जैसे माओवाद के सफाए का अभियान आगे बढ़ रहा है वैसे वैसे उसके समर्थक राजनैतिक तत्वों के पेट मे दर्द भी उठ रहा है। माओवाद के समर्थन से फल फूल रहे वामपंथी दलो ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर माओवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को बंद करने की अपील तक कर दी। तेलंगना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तो एक कार्यक्रम में कह दिया कि, 'माओवाद एक विचारधारा है जो कभी समाप्त नहीं हो सकती। सोशल मीडिया पर भी माओवादी विचारधारा के समर्थकभी यही बात कह रहे हैं कि यह विचारधारा पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकती।

माओवाद एक जहरीली, खतरनाक और नरसंहार का समर्थन करने वाली विचारधारा है जिसका अंत करने के लिए सरकार ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। सुरक्षा बल आक्रामक भी हैं और समर्पण करने वालों का स्वागत भी कर रहे हैं। पुनर्वास और पुनर्जीवन का प्रयास कर रही है। विकास को हर द्वार तक ले जा रही है जिससे आम व्यक्ति नक्सल के लाल आतंक के भय को भूल कर आगे बढ़ सके।

सिकंदर को झुकाया, ब्रिटेन-रूस-अमेरिका जैसे 3 सुपरपॉवर को हराया, उस अफगानिस्तान से क्या पाकिस्तान जीत सकता है?

सदियों पुरानी एक कहानी है, सिकंदर महान की जिसे दुनिया विश्व विजेता का तमगा पहनाती थी। जब सिकंदर ने अपने अभियान की शुरुआत की। उसके रास्ते में पड़ने वाले साम्राज्य एक-एक कर नतमस्तर होते चले गए। एक साल के भीतर उसने एंटोलियो, मेसोपोटामिया और पर्सिया पर कब्जा कर लिया। आगे अफगानिस्तान था। सिकंदर को लगा ये तो कुछ दिनों की बात है। लेकिन वहां पहुंचने पर उसका गणित उल्टा पड़ गया। एक अंतहीन जंग शुरू हो गई। छोटे-छोटे अफगान कबिलों ने सिकंदर की सेना को हांफने पर मजबूर कर दिया। इसमें तीन बरस बीत गए। कुछ लोगों का मानना है कि सिंकदर के हिंदुस्तान न जीत पाने की एक वजह ये भी थी। अफगानिस्तान की सेना ने उसे खूब थका दिया था। उसी समय से एक कुख्यात लाइन चलने लगी ' अफ़गानिस्तान साम्राज्यों का कब्रिस्तान है 'ये केवल सिकंदर की बात नहीं है 19वीं सदी में ब्रिटिश राज में भी यही रवायत देखने को मिली। दुनिया के तमाम मुल्कों पर कब्जा करने वाले अंग्रेज अफगानिस्तान पर कभी तसल्ली से शासन नहीं कर पाए। हालिया इतिहास की बात करे तो दुनिया की दो महाशक्तियां सोवियत संघ और अमेरिका दोनों अफगानिस्तान में बड़े-बड़े अरमान लेकर आए लेकिन उन्हें बेहिसाब बर्बादी और निराशा के अलावा कुछ हासिल नहीं हुआ।

पिछले हमले जब दिल्ली में अफगानिस्तान का डेलीगेशन आया हुआ था। तभी पाकिस्तान ने काबुल पर अटैक कर दिया। लेकिन क्या पाकिस्तान ने ये सोचकर अटैक किया कि अफगानिस्तान भला उसका क्या ही बिगाड़ लेगा। क्योंकि अगर इतिहास को देखे तो पाकिस्तान के लिए ये किसी बहुत बड़े बल्डर से कम नहीं था। अफगानिस्तान इस हमले के जवाब में पाकिस्तान पर जबरदस्त अटैक कर दिया। ये अटैक पाकिस्तान के खैबर पख्तूनवा जिले के डेरा इस्माइल खां इलाके से शुरू हुआ। यहां पुलिस ट्रेनिंग सेंटर के पास एक कार ब्लास्ट हुआ, जिसके बाद कई हमलावर पुलिस ट्रेनिंग परिसर में घुस गए। दो दिनों तक दोनों देशों के बीच लड़ाई चलती रही और आखिरकार दोनों के बीच लड़ाई को अभी रोक दिया गया है। अफगानिस्तान का दावा है कि उसके 9 जवान शहीद हुए और पाकिस्तानी सेना के करीब 58 सैनिक मारे गए। वहीं पाकिस्तान कहां पीछे रहने वाला था, उन्होंने दावा किया कि हमने 200 तालिबानी लड़ाके मार गिराए हैं। इस बीच पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने कहा है कि पाकिस्तान अपनी सुरक्षा को लेकर कोई समझौता नहीं करेगा। हर उकसावे का मजबूत तरीके से जवाब दिया जाएगा। लेकिन शायद शहबाज शरीफ भूल रहे हैं कि अफगानिस्तान को असल में सामाज्यों का कब्रिस्तान कहा जाता है।

चाहे वो 19वीं सदी में ब्रिटिश राज हो, 20वीं सदी में सोवियत संघ हो या 21वीं सदी में अमेरिका, किसी भी विदेशी महाशक्ति को आज तक अफगानिस्तान में उस तरह की राजनीतिक सफलता नहीं मिल सकी, जिसकी मंशा से वो अपनी सैन्य शक्ति के साथ अफगानिस्तान में घुसे। ब्रिटिश एंपायर ने कभी पूरी ताकत के साथ अफगानिस्तान को जीतने की कोशिश की थी। जब ब्रिटिश एंपायर अपने चरम पर था तब उसका सबसे बड़ा डर सोवियत रूस था। ब्रिटेन के लिए भारत ताज का मोती था और अफगानिस्तान उसकी सुरक्षा की ढाल यानी एक तरह से बफर। ब्रिटेन को डर था कि अगर रशिया ने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया तो भारत पर उसका खतरा बढ़ जाएगा। इसी डर से शुरू हुई ब्रिटिश और अफगान युद्धों की कहानी जिसे इतिहास में द ग्रेट गेम कहा गया। ब्रिटेन ने अफगानिस्तान में कुल तीन युद्ध लड़े लेकिन इन युद्धों ने उसे बर्बाद ही कर दिया। जब 1842 में ब्रिटिश सेना काबुल से निकली तो 16, 000 सैनिक गए थे। इसमें से सिर्फ एक आदमी डॉक्टर विलियम ब्राइडन जिंदा बचे। बाकी सब के सब मारे गए। ये इतिहास की सबसे बड़ी मिलिट्री तबाहियों में से एक थी। ऐसे ही 1878 से 1880 के बीच दूसरा एंग्लो अफगान वॉर हुआ। इस बार ब्रिटेन ने यहां पर दोस्ताना सरकार तो बनाई लेकिन डायरेक्ट कंट्रोल फिर भी नहीं पा सका। मजबूरी में डूरंड लाइन खींचकर एक समझौता करना पड़ा। 1919 में इन्होंने ब्रिटेन के खिलाफ तीसरा युद्ध छेड़ा। यह लड़ाई कुछ ही महीनों चली लेकिन रिजल्ट यह हुआ कि अफगानिस्तान को भारत से भी पहले आजादी मिल गई और यहां से ब्रिटिश इंपैक्ट पूरी तरह से खत्म हो गया।

20वीं सदी के सबसे ताकतवर देश सोवियत संघ ने भी अफगानिस्तान पर कब्जे की चाह के साथ एंट्री ली। सोवियत संघ ने 1979 में अफगानिस्तान पर अटैक किया था। वजह थी यहां की कम्युनिस्ट सरकार को बचाना जिसे कि इस्लामिक विद्रोही गिराने की कोशिश कर रहे थे। अफगान मुजाहिद्दीनों ने गोरिल्ला युद्ध शुरू कर दिया। अमेरिका, पाकिस्तान, सऊदी अरब और चाइना ने उन्हें हथियार दिए। खासकर स्टिंगर मिसाइल सिस्टम जिससे सोवियत हेलीकॉप्टर और उनके जेट्स गिराए जाने लगे। 10 साल के अंदर यूएसएसआर को 1 लाख सोवियत सैनिक तैनात करने पड़े। इस दौरान 15, 000 सोवियत सैनिक मारे गए और 1989 में मिखाइल गोरबाचेव ने यह माना कि यह सोवियत संघ का वियतनाम बन चुका है। अफगानिस्तान से हार के बाद सोवियत संघ का पतन होना शुरू हो गया। 1991 में यह टूट कर 15 देशों में बट गया।

ये 1970 की बात है कम्युनिस्ट सरकार को बचाने के लिए सोवियत संघ रूस ने अफगानिस्तान पर हमला किया। शीत युद्ध की वजह से अमेरिका की दुश्मनी रूस के साथ अपने चरम पर थी। फिर अफ़ग़ानिस्तान का भाग्य लिखने के लिए पाकिस्तान, सऊदी अरब और अमेरिका ने नया गठजोड़ बनाया। तीनों देशों को देवबंद और उसके पाकिस्तानी राजनीतिक पार्टी जमात-ए-उलेमा-ए-इस्लाम में उम्मीद नज़र आयी। पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा के एक देवबंदी हक्कानी मदरसे और फिर देवबंद के कराची मदरसे में पढ़ने वाले मुहम्मद उमर को ज़िम्मेदारी देकर मुल्ला मुहम्मद उमर बनाया गया। किसी को खबर हीं नहीं लगी कि कब मुल्ला उम्र ने पहले पचास और 15 हज़ार छात्रों के मदरसे खोल लिए। इसके लिए पाकिस्तान, अमेरिका और सउदी अरब ने खूब पैसे खर्चने शुरू किए। अमेरिका ने 1980 में यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फ़ॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट बनाया जिसके जरिए देवबंद के नफ़रती विचारों वाली शिक्षण सामग्री को छपवाकर देवबंदी मदरसों में बांटा जाने लगा। सोवियत से लड़ने के लिए अफ़ग़ानिस्तान में मुजाहिदीनों की एक फ़ौज खड़ी हो गई। 1989 में सोवियत की वापसी के साथ इस युद्ध का एक पन्ना खत्म हो गया। सोवियत जा चुका था। मगर उससे लड़ने के लिए खड़े हुए मुजाहिदीन लड़ाकों ने हथियार नहीं रखे थे। वो अब अफ़ग़ानिस्तान के अलग-अलग हिस्सों में वर्चस्व बनाने के लिए लड़ रहे थे। 11 सितंबर 2001 को चार हवाई जहाजों को हाईजैक कर अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की इमारत और पेंटागन पर अल कायदा के आतंकियों ने हमला किया था। जिसमें करीब तीन हजार लोगों की मौत हुई थी। जब इस आतंकी संगठन ने अमेरिका में 9/11 के हमले को अंजाम दिया तो फिर अमेरिका ने इस आतंकवादी संगठन को सबक सिखाने की ठानी। 29 फरवरी 2020 को दुनिया की एक बड़ी ताकत, दुनिया के दरोगा की हैसियत रखने वाला अमेरिका ने दुनिया के एक छोटे से भूभाग में तालिबान के आगे घुटने टेक दिए।

पाकिस्तान को लग रहा था कि उसके बॉस जिसकी चमचागिरी करते शहबाज शरीफ इन दिनों देखे भी गए वो अमेरिका बचाने के लिए आ जाएंगे। सऊदी अरब से भी डील की है। वो भी बचाने के लिए आ जाएंगे। लेकिन दोनों में से कोई नहीं आया। सऊदी अरब ने भी अपने हाथ पीछे खींच लिए और ट्रंप तो बयानवीर खैर है ही। जब एयर स्ट्राइक काबुल पर की गई पाकिस्तान की तरफ से उसके बाद कैसा जवाब मिलेगा तालीबान से उस बात का अंदाजा पाकिस्तान को नहीं था। तालिबान की तरफ से कहा गया कि हमने अपनी ताकत के सिर्फ 10 फीसदी के साथ तुमसे मुकाबला किया है और तुम अपनी चौकियों से भाग गए। अगर तुमने फिर से अफगानिस्तान की जमीन पर कब्जा करने की हिमा हिम्मत की तो तुम्हारे खिलाफ अपनी 100 फीसदी ताकत लगा देंगे। तालिबान के कमांडर का ये कहना है। अगर 10इ ताकत लगाने के बाद पाकिस्तानी सेना भाग गई तो अगर 100सदी इन्होंने ताकत लगा दी तो फिर क्या होगा?

स्वच्छता और समर्पण का समन्वय : विशेष अभियान 5.0 उत्तर मध्य रेलवे का उत्कृष्ट प्रदर्शन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे ने विशेष अभियान 5.0 के तहत एक श्रृंखला में प्रभावी पहल की हैं। यह अभियान 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक सम्पूर्ण भारतीय रेलवे में मनाया जा रहा है। इस अभियान का लक्ष्य सभी कार्यालयों, स्टेशनों, वर्कशॉप्स तथा अन्य सेवा केन्द्रों पर स्वच्छता की समग्रता हासिल करना, रिकॉर्ड प्रबंधन की कार्यकुशलता, स्क्रैप एवं ई-कचरे का व्यवस्थित निस्तारण और अमृत सम्वाद कार्यक्रमों के माध्यम से सक्रिय नागरिक सहभागिता सुनिश्चित करना है।

महाप्रबंधक, उ.म.रे नरेश पाल सिंह के नेतृत्व में उत्तर मध्य रेलवे इस अभियान को एक मिशन के रूप में संचालित कर रहा है, जिसमें निरंतर स्वच्छता और दक्षता में सुधार पर बल दिया जा रहा है। तीनों मण्डलों के सभी स्टेशनों पर नियमित सफाई के अतिरिक्त, सभी स्टेशनों पर ट्रैक, प्लेटफॉर्म, पेंट्री कार, जल कूट, शौचालय, प्रतीक्षालय, रिटायरिंग रूम, फूड स्टॉल, पैंट्री कारों और कार्यालयों को शामिल करते हुए प्रतिदिन गहन स्वच्छता अभियान चलाए जा रहे हैं। रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों और सफाई मित्रों ने स्वच्छता की शपथ लेकर स्वच्छ एवं यात्री-हितैषी रेलवे परिसर बनाए रखने के अपने संकल्प को पुनः दोहराया है।

इस अभियान की एक मुख्य बिंदु बना 'अमृत सम्वाद' पहल - जो रेलवे और उसके यात्रियों के बीच एक सेतु का कार्य कर रही है। उत्तर मध्य रेलवे के प्रमुख स्टेशनों पर आयोजित यह अनूठी पहल रेलवे अधिकारियों और

नागरिकों के बीच सीधे संवाद का एक मंच प्रदान करती है, जिसका उद्देश्य सेवा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए प्रतिक्रिया एवं सुझाव एकत्रित करना है। इन संवादों के माध्यम से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत किए गए बुनियादी ढाँचे के उन्नयन को भी प्रदर्शित किया गया, जिसमें उन्नत प्रतीक्षा क्षेत्र एवं शौचालय, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एस्केलेटर और लिफ्ट, निःशुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' की ओर दिव्यांगजन यात्रियों के लिए बेहतर पहुँच जैसे कार्य शामिल हैं।

अभियान की भावना पर प्रकाश डालते हुए उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने कहा कि स्वच्छता कोई एक बार का अभियान नहीं, बल्कि एक निरंतर चलने वाला अभ्यास है जो संगठनात्मक अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी को दर्शाता है। उन्होंने कहा, 'इस अमृत काल में माननीय प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप, उत्तर मध्य रेलवे ने स्वच्छता और स्थिरता को वर्षभर चलने वाले मिशन के रूप में अपनाया है। 1 से 15 अगस्त के बीच 172 स्टेशनों पर गहन स्वच्छता गतिविधियाँ आयोजित की गईं और 42, 000 से अधिक पेड़ लगाए गए। इसके बाद 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक 'स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा' के दौरान 8, 332 सीटीयू स्थानों की सफाई की गई और जागरूकता अभियान चलाए गए। विशेष अभियान 5.0 के माध्यम से हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और हरित रेलवे का निर्माण करना चाहते हैं।'

विशेष अभियान 5.0 के तहत इन निरंतर प्रयासों के साथ, उत्तर मध्य रेलवे स्वच्छता, स्थिरता और नागरिक सहभागिता में उच्च मानदंड स्थापित करता जा रहा है - और 'स्वच्छ रेल, स्वस्थ भारत' के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहरा रहा है।

बच्चों ने बनाई रंगोली जलाये दिए और मनाई दिवाली

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उच्च प्राथमिक विद्यालय सुजौना जसरा प्रयागराज में आज धनतेरस पर्व पर बच्चों ने विविध प्रकार की रंगोली बनाई, दिए जलाए और लक्ष्मी गणेश की पूजा किया। शनिवार को विद्यालय में दीपावली के पहले अंतिम शैक्षणिक कार्य दिवस था। बच्चों ने दीपावली से संबंधित आकर्षक रंगोली बनाई। विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्यामाकांत द्विवेदी ने कहा कि दीपावली स्नेह, उल्लास और भाई चारे का पर्व है जिसे हम सभी हर्ष और उल्लास से मनाते हैं। उन्होंने बच्चों के प्रयासों की सराहना किया।इस अवसर पर उन्होंने रसोइयों को दीपावली का उपहार प्रदान किया और सबको सुरक्षित दीपावली उत्सव मनाने की बधाई दिया।इस अवसर पर विद्यालय के भारतेन्द्र त्रिपाठी, सुनील कुमार शुक्ल, इरफ़ान अहमद, नाज़िया सुल्ताना, जितेन्द्र कुमार शर्मा, आशीष कुमार गुप्ता, राकेश कुमार, पूनम तिवारी, पंकज कुमार गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

मेला देखने पहुंची किशोरी से अश्लील हरकत विरोध करने पर परिजनों को पीटा

चार नामजद, एक अज्ञात पर मुकदमा दर्ज

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई (प्रयागराज)। थरवई थाना क्षेत्र के हेता पट्टी दशहरा मेले में किशोरी के साथ अश्लील हरकत किए जाने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर आरोपियों ने किशोरी की मां और परिजनों को गाली-गलौज करते हुए लोहे की रॉड से मार पीटकर घायल कर दिया। पुलिस ने पीड़िता की मां की तहरीर पर चार नामजद और एक अज्ञात के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, फैजुल्लापुर गांव निवासी संगीता देवी पत्नी रामसिंह अपनी किशोरी पुत्री अन्य परिजनों के साथ हेतपट्टी दशहरा मेला देखने गई थीं। इस दौरान हेता पट्टी बाजार के ही प्रदीप केसरवानी पुत्र अशोक केसरवानी ने किशोरी के साथ अश्लील हरकत की। जब किशोरी ने विरोध किया तो प्रदीप और उसके परिजन सुनील कुमार केसरवानी, पवन कुमार केसरवानी, अशोक कुमार केसरवानी तथा एक अन्य अज्ञात व्यक्ति ने मां-बेटी संहित अन्य परिजनों को गाली-गलौज करते हुए हमला बोल दिया।आरोप है कि हमलावरों ने लोहे की रॉड से मारपीट कर पीड़िता की मां को गंभीर रूप से घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। घायल महिला को स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।थरवई पुलिस ने मामले में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना तीन दिन पहले की है पुलिस ने रिपोर्ट रविवार को दर्ज किया है।

विकसित भारत के लिए गांव के अंतिम पायदान तक पहुंचे विकास की किरण - गुरु प्रसाद

देश के विकास के लिए उत्तर प्रदेश का समृद्ध होना आवश्यक- प्रोफेसर सत्यकाम

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मानविकी विद्या शाखा के तत्वावधान में शनिवार को विकसित उत्तर प्रदेश 2047 समृद्धि का शताब्दी पर्व महाभियान के अंतर्गत विकसित उत्तर प्रदेश 2047 हमारा प्रयास और संभावनाएं विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री गुरु प्रसाद मौर्य, विधायक, फाफामऊ विधानसभा ने कहा कि विकसित उत्तर प्रदेश के लिए यह जरूरी है कि गांव के अंतिम पायदान पर विकास हो। विकसित भारत के लिए आर्थिक, शैक्षिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, स्वच्छता, स्वास्थ्य , स्वच्छ पर्यावरण, जल, बिजली, रोजगार की व्यवस्थाएं समुचित होना चाहिए। जनप्रतिनिधि श्री मौर्य ने कहा कि सरकार लघु कालीन एवं जन कल्याणकारी योजनाओं को चलाने के लिए कार्य कर रही है जिससे प्रदेश एवं राष्ट्र का विकास हो। पर्यावरण के संरक्षण के लिए मां के नाम एक पेड़ लगाने की पहल सरकार कर रही है और यह वर्तमान में जन आंदोलन का रूप ले चुका है। इसी प्रकार जल संरक्षण एवं जैविक खेती के विकास के लिए सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। अनावृष्टि, अतिवृष्टि, ग्लोबल वार्मिंग, वनों की कटाई, रसायनों का प्रयोग पर्यावरण के लिए संकट है। इस पर रोकथाम के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति महिलाओं के लिए समृद्धि एवं विकास के लिए योजना है। आज वरिष्ठ नागरिकों जिनकी उम्र 70 वर्ष के ऊपर है, सरकार उनके मुफ्त इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड जारी कर रही है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य सत्यकाम ने कहा कि देश के विकास के लिए उत्तर प्रदेश का समृद्ध होना बहुत आवश्यक है। राम, कृष्ण, तुलसी , कबीर , जायसी सभी यहीं

उत्तर प्रदेश की भूमि से हैं। सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक दृष्टि से यह सबसे मजबूत प्रदेश है। प्रदेश के विकास के लिए सभी को एकजुट होना होगा। वर्तमान में उत्तर प्रदेश उद्योग और विकास में भी महत्वपूर्ण स्थान बना रहा है। विकास ने उत्तर प्रदेश के द्वार खोल दिए हैं। आर्थिक रूप से और कृषि संपन्न इस प्रदेश में अनेक ऐसी सरकारी या प्रशासनिक योजनाएं चल रही है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि हमारे फाफामऊ विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक व्यक्ति का शिक्षित होना आवश्यक है। ऐसी योजनाएं बनाई जानी चाहिए जिससे जन-जन कल्याण के साथ-साथ प्रति व्यक्ति तक शिक्षा पहुंचे। इसी दिशा में मुक्त विश्वविद्यालय में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के लिए पोषण एवं बाल शिक्षा पर आधारित पाठ्यक्रम चलाया गया है, जिसमें सभी आंगनबाड़ी महिलाओं के नामांकन के लिए जन सहयोग और शासन के सहयोग की आवश्यकता है। पर्यावरण की चिंता के लिए जागरूक रहना आवश्यक है।

वेबीनार/ सेमिनार के समन्वयक आचार्य विनोद कुमार गुप्त ने वाचिक स्वागत एवं विषय प्रवर्तन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व मां सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया गया । इस अवसर पर श्री अनुराग शुक्ला द्वारा कुलगीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ अतुल कुमार मिश्रा ने किया। संगोष्ठी के निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समन्वय डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया।

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान की ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगितासंपन्न

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन शुक्रवार को बीआरसी मंझनपुर में किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान विषय के प्रति रुचि एवं नवाचार की भावना विकसित करना था।

ज्ञात हो कि कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता द्वारा किया गया। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि अंक कम या अधिक आना महत्वपूर्ण नहीं, बल्कि सीखते रहना और अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाना सबसे आवश्यक है।उन्होंने विद्यार्थियों को लगातार आगे बढ़ने एवं विज्ञान के क्षेत्र में नई खोज करने के लिए प्रेरित किया।

प्रतियोगिता के दौरान बच्चों से विज्ञान विषय से संबंधित प्रश्न पूछे गए, जिनके सही उत्तर देने पर उन्हें अंक प्रदान किए गए। सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिता हेतु किया गया।

इस ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में मंझनपुर विकासखंड के उ प्रा वि/ कंपोजिट विद्यालय से 145 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया और लिखित परीक्षा दी जिसमें लिखित परीक्षा में 25 छात्र छात्राओं ने परीक्षा उत्तीर्ण किया इसके बाद साक्षात्कार के माध्यम से सर्वश्रेष्ठ 5 बच्चों का चयन हुआ जिसमें कंपोजिट विद्यालय अगियौना के छात्र अजीत कुमार को प्रथम स्थान, कंपोजिट विद्यालय अमीनपुर के छात्र उमेश कुमार को द्वितीय स्थान तथा कंपोजिट विद्यालय कुआंडीह की छात्रा दिव्यांशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। समस्त प्रतिभागी बच्चों को प्रमोद कुमार गुप्ता द्वारा स्टेशनरी किट और प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन रजनी केसरवानी एआरपी विज्ञान की देखरेख में संपन्न कराया गया। जिसमें विपिन सिंह, बालचंद्र , अजय सिंह, अनुराग श्रीवास्तव , अनूप वर्मा, आशीष कुमार शुक्ला, रोहिणी , रेखा मिथिलेश सहित कईअध्यापक भी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने तहसील मंझनपुर में सुनी जनशिकायतें

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी एवं पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने तहसील मंझनपुर में जनशिकायतों को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारित करने के निर्देश दिए।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने राजस्व से सम्बन्धित शिकायतों पर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर शिकायत को निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त प्रार्थना-पत्रों पर संबंधित अधिकारियों को ऑनलाइन आवेदन कराकर पात्रता की स्थिति में लाभान्वित करने के भी निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने तहसील दिवस में अनुपस्थित रहने पर अधिशासी अभियंता, नलकूप एवं अधिशासी अभियंता, सिंचाई का वेतन रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व वादों के निस्तारण के प्रगति की समीक्षा कर वादों के निस्तारण में प्रगति लाने के निर्देश दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 29 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 02 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। तहसील चायल में कुल 14 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 01 शिकायत का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया तथा तहसील सिराथू में कुल 19 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 02 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने पटाखा बिक्री स्थल का किया निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी एवं पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने आगामी त्याहार दीपावली, नरक चतुर्दशी, गोवर्धन पूजा, भैया दूज, कार्तिक पूर्णिमा एवं छठ पूजा आदि के दृष्टिगत पटाखा बिक्री स्थल दुर्गा देवी इंटर कॉलेज ओसा का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने दुकानदारों को सुरक्षा मानकों की जानकारी देते हुए अपील की कि दुकानें धातु की चादरों से ही बनाई जाय। कपड़ा/कनात का उपयोग न किया जाय। दुकानों के पास अग्निशमन यंत्र, पानी एवं बालू आदि की व्यवस्था रखी जाय।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी मंझनपुर सुखलाल प्रसाद वर्मा एवं क्षेत्राधिकारी मंझनपुर शिवांक सिंह उपस्थित रहें।

दीपोत्सव पर कौशाम्बी पुलिस ने चलाया स्वच्छता का महाअभियान

कौशाम्बी। दीपावली पर्व के अवसर पर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार के कुशल निर्देशन में जनपद में पुलिस कार्यों के साथ-साथ सभी थाना एवं चौकी परिसरों को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने हेतु प्रत्येक रविवार को चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान के अंतर्गत आज विशेष सफाई अभियान संचालित किया गया।

ज्ञात हो कि रविवार को दीपावली के अवसर पर जनपद के सभी थाना/चौकियों पर नियुक्त पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारीगणों द्वारा सामूहिक श्रमदान कर साफ-सफाई का कार्य किया गया।

इस दौरान थाना/चौकी परिसर से गंदगी, कूड़ा-करकट हटाया गया। कार्यालयों में रखे महत्वपूर्ण अभिलेखों को सुव्यवस्थित ढंग से संजोया गया। पुलिस कर्मियों के बैरक एवं आवासीय परिसर की सफाई की गई। शस्त्रागार एवं दंगा निरोधक उपकरणों की सफाई कर उन्हें दुरुस्त किया गया।

पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार ने कहा कि स्वच्छ वातावरण केवल स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि कार्य के प्रति अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करता है। दीपावली जैसे पावन पर्व पर स्वच्छता का यह संकल्प न केवल परिसर की सुंदरता बढ़ाता है, बल्कि मनोबल और सेवा भावना को भी सशक्त बनाता है। स्वच्छ परिसर में कार्य करने से कार्यकुशलता और सकारात्मकता दोनों में वृद्धि होती है। कौशाम्बी पुलिस का यह स्वच्छता अभियान प्रत्येक रविवार को निरंतर जारी रहेगा।

मेगा ऋण कैम्प में युवा उद्यमियों को वितरित किया गया ऋण

कौशाम्बी। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजनान्तर्गत एक मेगा ऋण कैम्प का आयोजन सहायक आयुक्त उद्योग की अध्यक्षता में तहसील मंझनपुर सभागार में किया गया।मंझनपुर सभागार में 89 आवेदक उपस्थित हुये, जिनमें सीएम युवा योजनान्तर्गत 36 आवेदन पत्रों पर स्वीकृति कर 30 आवेदकों का ऋण वितरण की कार्यवाही की गई। इसी प्रकार मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजनान्तर्गत 01 आवेदन पत्र स्वीकृत तथा 01 आवेदन पत्र वितरण किया गया। ओडीओपी योजनान्तर्गत 01 आवेदन पत्र पर वितरण की कार्यवाही की गई। पीएमएफएमई योजनान्तर्गत 04 आवेदन पत्र स्वीकृत तथा मत्स्य विभाग के 04 के.सी.सी. आवेदन पत्रों पर स्वीकृत की कार्यवाही की गई।

मिशन शक्ति के अंतर्गत कक्षा 12 की छात्रा अलीफ़ा बानो बनी एक दिन के लिए केपीएस भरवारी की प्रिंसिपल

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। भरवारी स्थित कौशांबी प्रेसीडेंसी स्कूल एंड कॉलेज में 'मिशन शक्ति' अभियान के तहत आज एक प्रेरणादायक पहल की गई, जिसमें विद्यालय की कक्षा 12 की छात्रा अलीफ़ा बानो को एक दिन के लिए विद्यालय की प्रिंसिपल बनने का अवसर दिया गया।

ज्ञात हो कि सुबह की असेंबली में अलीफ़ा बानो ने विद्यालय के विद्यार्थियों को संबोधित किया और कहा कि 'हर लड़की में आगे बढ़ने की अपार शक्ति है, बस आवश्यकता है उस शक्ति को पहचानने और सही दिशा में प्रयत्न करने की।' उनके प्रेरक विचारों से विद्यालय का वातावरण आत्मविश्वास और उत्साह से भर उठा।

इसके बाद उन्होंने शिक्षकों की मीटिंग ली, जिसमें उन्होंने विद्यालय के अनुशासन, शिक्षण-प्रक्रिया और विद्यार्थियों की प्रगति पर चर्चा की। अलीफ़ा बानो ने दिनभर विद्यालय की सभी कक्षाओं का निरीक्षण किया, विद्यार्थियों से संवाद किया और उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ जीवन में लक्ष्य निर्धारण के महत्व को समझाया।

विद्यालय प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य छात्राओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और निर्णय लेने की योग्यता को विकसित करना है, ताकि वे भविष्य में समाज में सशक्त भूमिका निभा सकें।

संस्थान के चेयरमैन एवं निवर्तमान विधायक श्री संजय कुमार गुप्ता ने कहा कि 'मिशन शक्ति जैसी पहल छात्राओं को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाती है। अलीफ़ा बानो ने आज जिस कुशलता से अपनी भूमिका निभाई, वह सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।' डायरेक्टर सीमा पवार ने कहा कि 'अलीफ़ा बानो ने आज जिस आत्मविश्वास और जिम्मेदारी के साथ कार्य किया, वह हमारे विद्यालय की शिक्षा की गुणवत्ता और छात्राओं की क्षमता का प्रमाण है। मिशन शक्ति जैसी पहल बालिकाओं के सर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित होगी।'

इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक, छात्र-छात्राएँ एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और अलीफ़ा बानो का उत्साहवर्धन किया। यह दिन केपीएस भरवारी के इतिहास में एक सशक्तिकरण और प्रेरणा का दिन बनकर दर्ज हो गया।

जिलाधिकारी ने दिव्यांग राजकली को ट्राई साइकिल प्रदान कर किया सम्मानित

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने शनिवार को तहसील मंझनपुर में दिव्यांग राजकली निवासी-बलीपुर को ट्राई साइकिल प्रदान किया। इस अवसर पर जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी विकास वर्मा उपस्थित रहें।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी के जनता दर्शन में दिव्यांग राजकली निवासी-बलीपुर ने प्रार्थना पत्र देकर अपनी समस्या बताते हुए ट्राई साइकिल, प्रधानमंत्री आवास एवं शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराये जाने की माग की थी। उन्होंने दिव्यांग की समस्या को गम्भीरता से सुनकर जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी एवं परियोजना निदेशक को निर्देशित किया था कि शीघ्र आवश्यक कार्यवाही कर दिव्यांग को लाभान्वित किया जाय। दिव्यांग को प्रधानमंत्री आवास/ शौचालय के लाभ के लिए ऑनलाइन आवेदन करा दिया गया हैं। शीघ्र ही आवास एवं शौचायल की सुविधा से लाभान्वित कर दिया जाएगा।

पटाखा/बारूद की दुकानों का निरीक्षण कर दिए गए सुरक्षा संबंधी निर्देश

कौशाम्बी। दीपावली पर्व पर अग्नि सुरक्षा के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज रविवार को अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार सिंह एवं क्षेत्राधिकारी मंझनपुर शिवांक सिंह द्वारा ओसा, मंझनपुर स्थित पटाखा/बारूद की दुकानों का निरीक्षण किया गया।

ज्ञात हो कि निरीक्षण के दौरान दुकानदारों को अग्नि सुरक्षा उपायों के पालन, अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता एवं उनके सही उपयोग की विधि के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही पटाखा विक्रेताओं को सुरक्षा मानकों का पूर्णतः अनुपालन करने एवं किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने हेतु निर्देशित किया गया।

शौच के लिए निकले अधेड़ की तालाब में डूबने से मौत, परिजनों में मचा कोहराम

कौशाम्बी। जिले में शनिवार की शाम शौच के लिए निकले अधेड़ का तालाब में उतराता हुआ शव मिलने से हड़कंप मच गया, घटना की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया, घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच में जुटी हुई है। घटना चरवा थाना क्षेत्र के चौराडीह गांव की है जहा गांव के तेजी (55 वर्ष) पुत्र स्वर्गीय शिवनाथ शाम करीब 8 बजे शौच के लिए गए थे। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और वे तालाब में गिर कर डूब गए।

अयोध्या दीपोत्सव 2025 दीपोत्सव से गायब अयोध्या के सांसद

बोले- 'बीजेपी की मानसिकता के कारण नहीं बुलाया गया'

लखनऊ **(एजेंसी)**। रामनगरी अयोध्या में 9वां भव्य दीपोत्सव शुरू हो चुका है, जहां 28 लाख 11 हजार 101 दीयों के साथ नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का लक्ष्य रखा गया है। सरयू तट पर आयोजित इस विशाल आयोजन को लेकर जहां उत्साह चरम पर है, वहीं अयोध्या से सांसद और समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता अवधेश प्रसाद को आमंत्रित न किए जाने को लेकर सियासत गरमा गई है।

सांसद अवधेश प्रसाद ने नाराजगी जताते हुए कहा, 'भगवान राम की नगरी में सरकार द्वारा आयोजित उत्सव में क्षेत्र के सांसद को ही नहीं बुलाया गया। यह कार्यक्रम तो सरकारी पैसे से हो रहा है, फिर ऐसा भेदभाव क्यों?' उन्होंने कहा कि कई लोगों ने उनसे पूछा कि वे आयोजन में क्यों नहीं गए, जिस पर उन्होंने जवाब दिया कि 'मुझे निमंत्रण मिला ही नहीं।' अवधेश प्रसाद ने कहा, 'बीजेपी की संकीर्ण मानसिकता और विचारधारा के कारण मुझे आमंत्रित नहीं किया गया।' उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों को भी केवल राजनीतिक मतभेद के चलते नजरअंदाज करती है। दीपोत्सव को लेकर प्रसाद ने कहा कि असली दीपावली तभी है जब हर घर में रोशनी पहुंचे। 'आज कई घरों में अंधेरा है, लोग परेशान हैं, किसानों की जमीनें छीनी जा रही हैं, मुआवजा नहीं दिया जा रहा। राम पथ पर जो लाइटें लगी थीं, वो भी गायब हैं। क्या यही रामराज्य है?'

सांसद ने कहा कि वे दीपोत्सव का विरोध नहीं करते, लेकिन केवल दीये जलाने से दीपावली नहीं होती। '2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी और अखिलेश यादव के नेतृत्व में अयोध्या का ऐसा विकास होगा जो देश-दुनिया में मिसाल बनेगा।' उन्होंने अखिलेश यादव के 'दीये-मोमबत्ती' वाले बयान का समर्थन करते हुए कहा कि आयोजन में धन की बर्बादी हो रही है जबकि ज़रूरत है लोगों की ज़िंदगी में स्थायी उजाले लाने की। मंडलायुक्त राजेश कुमार ने जानकारी दी कि दीपोत्सव के लिए 33, 000 स्वयंसेवकों की मदद से दीयों की सजावट की जा रही है। कार्यक्रम में 2100 लोगों द्वारा आरती की जाएगी। इसके अलावा लेजर शो, आतिशबाज़ी और पांच देशों के कलाकारों द्वारा रामलीला का मंचन किया जाएगा।

आनंदीबेन और योगी ने प्रकाशपर्व दीपावली पर प्रदेशवासियों को दी बधाई

राज्यपाल बोलीं- ये प्रकाश का पर्व नहीं, बल्कि अंधकार से प्रकाश

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रकाशपर्व दीपावली के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए प्रभु श्रीराम से उनकी सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की है। रविवार को जारी एक शुभकामना संदेश में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने धनतेरस, छोटी दीपावली, दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाईदूज के शुभ अवसर पर देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाए प्रेषित की हैं।

अपने बधाई संदेश में राज्यपाल ने कहा कि दीपों का यह पांच दिवसीय उत्सव केवल प्रकाश का पर्व नहीं, बल्कि अंधकार से प्रकाश, असत्य से सत्य तथा नकारात्मकता से सकारात्मकता की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा भी देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्व एवं त्योहार शान्ति, एकता व सछ्वाव का सन्देश देते हैं एवं सामाजिक सौहार्द में वृद्धि करते हैं। दीपावली का पर्व भारत की

सनातन धर्म की परम्परा का एक महत्वपूर्ण पर्व है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के 14 वर्ष के वनवास के उपरान्त अयोध्या आगमन और रामराज के शुभारम्भ की स्मृति स्वरूप आज से हजारों वर्ष पहले पूरे भरतखण्ड में श्रद्धालुओं द्वारा दीपमालाओं से अपने-अपने घरों को सजा करके इस पर्व को मनाना प्रारम्भ किया गया। श्री योगी ने कहा कि यह हम सभी का सौभाग्य है कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की पावन जन्मस्थली अयोध्या उत्तर प्रदेश में है। राज्य सरकार अयोध्या में दीपावली के आयोजन की प्राचीन और गौरवशाली परम्परा को 'दीपोत्सव' के आयोजन के माध्यम से पुनर्प्रतिष्ठित कर, सम्पूर्ण विश्व समुदाय को अयोध्या की महिमा से परिचित कराने का कार्य कर रही है।

श्रीमती पटेल से प्रदेश के मंत्रिगण, गणमान्य नागरिक, वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने भेंट कर उन्हें बधाइयाँ दी। राज्यपाल से मिलकर बधाई देने वालों में प्रदेश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार, एमएसएमई मंत्री राकेश सचान, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी, निदेशक पीजीआई पद्मश्री प्रो आरके धीमन, कुलपति केजीएमयू पद्म श्री प्रो सोनिया नित्यानंद, निदेशक आईआईएम कोलकता प्रो आलोक राय, विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण, राज्य सूचना आयुक्त दिलीप अग्निहोत्री, उम्मीद संस्था से बलवीर सिंह मान व संस्था के बच्चे तथा पत्रकार बन्धु सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक शामिल थे।

कानपुर को दीपावली गिफ्ट

योगी सरकार ने सड़कों के निर्माण को दी हरी झंडी, 89.80 करोड़ बजट मंजूर

कानपुर **(एजेंसी)**। दीपावली से पहले कानपुरवासियों के लिए खुशखबरी आई है। शासन की वित्त व्यय समिति ने 89.80 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दे दी है, जिससे तीन अहम सड़कों का निर्माण जल्द शुरू होगा। सबसे महत्वपूर्ण परियोजना डोमनपुर से फतेहपुर की सीमा तक 13 किलोमीटर लंबी सड़क है, जिसके लिए 19.87 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। यह सड़क 100 से अधिक गांवों को प्रयागराज हाईवे और फतेहपुर जिले से जोड़ेगी। शासन ने न सिर्फ डोमनपुर सड़क बल्कि कालपी रोड पर भौंती बाईपास और कल्याणपुर-शिवली रोड चौड़ीकरण के लिए भी मंजूरी दी है। तीनों परियोजनाओं का निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जाएगा। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के मुताबिक, डोमनपुर रोड परियोजना पहले चरण में ही प्रस्तावित थी, लेकिन उन्नाव में गंगा पुल के पास बाढ़ में सड़क बह जाने के बाद शासन ने वित्तीय स्वीकृति रोक दी थी। अब हालात सामान्य होने पर एक किलोमीटर हिस्से को छोड़कर बाकी 13 किलोमीटर सड़क निर्माण को मंजूरी दी गई है। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के हस्तक्षेप से यह परियोजना दोबारा सक्रिय हुई। अब कानपुर से फतेहपुर सीमा तक सड़क निर्माण कार्य जल्द शुरू होगा।

इस सड़क से सौ से अधिक गांवों की आबादी को सीधा फायदा मिलेगा। किसानों को अपनी उपज मुख्य बाजारों तक पहुंचाने में आसानी होगी। डिफेंस नोड और औद्योगिक क्षेत्रों तक कनेक्टिविटी बेहतर होगी। बुंदेलखंड की ओर जाने वालों को वैकल्पिक मार्ग भी मिलेगा। साथ ही, कालपी रोड (भाटिया होटल तिराहा से भौंती बाईपास तक) 36 करोड़ रुपये की लागत से चौड़ी होगी।

मऊ में कृषक एक्सप्रेस से कुंटल विस्फोटक बरामद, दीपावली पर रेलवे सुरक्षा कड़ी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मऊ से बड़ी ब्रेकिंग न्यूज़ सामने आई है। कृषक एक्सप्रेस (15008) में चेकिंग के दौरान एक कुंटल विस्फोटक पदार्थ बरामद हुआ।

पुलिस के अनुसार, विस्फोटक पदार्थ की कीमत लगभग एक लाख रुपये बताई जा रही है। घटना के दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार व्यक्ति सलेमपुर का रहने वाला है और वह कृषक ट्रेन से गाजीपुर जनपद के दुल्लहपुर की ओर जा रहा था।

यह खुलासा जीआरपी थाना मऊ के इंचार्ज राजकपूर सिंह ने किया। उन्होंने बताया कि दीपावली के मौके पर ट्रेन और रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा चेकिंग लगातार की जा रही थी, तभी इंदारा रेलवे स्टेशन के पास यह विस्फोटक पदार्थ बरामद हुआ। फिलहाल आरोपी को जीआरपी थाने में हिरासत में लिया गया है, और विस्फोटक पदार्थ की जांच जारी है। रेलवे प्रशासन और पुलिस सुरक्षा बढ़ाने के लिए सतर्क हैं, ताकि त्योहार के दौरान किसी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

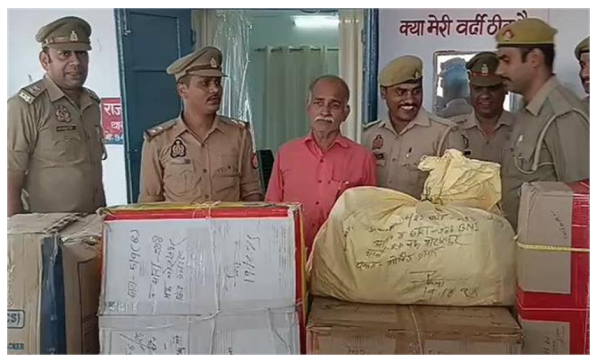

विधायक इक़बाल महमूद का विवादित बयान!

रिक्शा वाला का बेटा भी रिक्शा चलाएगा विधायक का बेटा विधायक बनेगा?

लखनऊ **(एजेंसी)**। सदर विधायक इक़बाल महमूद के विवादित बयान ने सोशल मीडिया और स्थानीय लोगों में हलचल मचा दी है। विधायक ने कहा, 'रिक्शा वाले का बेटा रिक्शा चलाएगा, विधायक का बेटा विधायक बनेगा।' विधायक के इस बयान पर लोगों में नाराजगी देखने को मिली। वहीं, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी और समाजसेवी मुशीर तरीन ने इस बयान का अनोखा और सशक्त जवाब दिया। उन्होंने खुद रिक्शा चलाकर आम जनता के सामने संदेश दिया और कहा,

'किसी का मुकद्दर कोई नहीं छीन सकता। मेहनत और काबिलियत सबको बराबर मौके देती है। असली पहचान इंसान की मेहनत से होती है, विरासत से नहीं।'

मुशीर तरीन का कहना है कि मेहनत ही असली पहचान है, न कि विरासत या पारिवारिक राजनीति। उन्होंने यह भी जोर दिया कि जनता किसी को वोट देती है और सिर्फ मेहनत और काबिलियत के दम पर ही सफलता मिलती है।

सदर विधायक इक़बाल महमूद ने अपने बयान का बचाव करते हुए कहा कि उनका तात्पर्य परिवारवाद नहीं, बल्कि क्षमता और योग्यता से था। उन्होंने कहा, डॉक्टर का बेटा डॉक्टर बनता है, इंजीनियर का बेटा इंजीनियर बनता है। अगर किसी को थोपने का मामला नहीं है और जनता उन्हें वोट देती है, तो इसे परिवारवाद नहीं कहा जा सकता।'

इस बयान के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलचल तेज हो गई है। लोग इस बयान पर अपनी प्रतिक्रियाएँ दे रहे हैं और मुशीर तरीन के रिक्शा चलाकर संदेश को सराह रहे हैं।

सरेंडर किए नक्सलियों की पहली रात रही बैचैन

सालों से घने जंगलों में रहने वालों को आरामदायक बिस्तर पर नहीं आई नींद, बदलाव देख हैरान

रायपुर **(एजेंसी)**। छत्तीसगढ़ में जैसे-जैसे नक्सलवाद पर लगातार पुलिस और जवानों का प्रहार जारी है वैसे-वैसे आए दिन नए बदलाव देखने को मिल रहे हैं। नक्सली अब मुख्यधारा में लौटकर साधारण और डर रहित जीवन जीना चाहते हैं। इसी सिलसिले में वो प्रशासन की कई योजनाओं जैसे लोन वर्राटू जैसी पहल को अपनाते हुए सामाजिक जीवन में वापसी करना चाहते हैं।

इसी कड़ी में बस्तर में 210 पूर्व नक्सलियों ने शुक्रवार को आत्मसमर्पण किया था। जवानों और अधिकारियों ने गुलदस्ते देकर उनका सामाजिक जीवन में लौटने का स्वागत किया, लेकिन सालों से जंगल में गोलियों के शोर में रहने वाले नक्सलियों के लिए शांति की पहली रात बेचैन करने वाली थी।

खुले जंगलों में रहने वाले नक्सलियो के छतों के नीचे, घूमते पंखे कुछ अजीब ही लगे। अचानक मिली ऐसी तनावरहित आरामदायक ज़िंदगी से वो हैरान थे। शनिवार की सुबह उनके लिए कुछ ऐसी ही अजीब थी, क्योंकि ये सुबह उनकी हर सुबह से बहुत अलग थी।

जगदलपुर पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में रुके इन लोगों ने अखबार पढ़ा और टीवी देखा, वो देख रहे थे कि कैसे उनके बारे में बाहर की दुनिया में देखा और पढ़ा जाता है, कैसे उनके बारे में सोच है। वो इस नई दुनिया को देखकर बड़े ही हैरान हो रहे थे। मुख्यधारा में वापिस लौटे ये लोग हैरान हो रहे थे कि जिन्होंने कभी सुरक्षा बलों पर गोलियां चलाई थी वो आज इस तरह से स्वागत करेंगे।

उनके चेहरे कुछ और ही बता रहे थे, उनके सामने वे जवान खड़े थे जिनसे वे सालों तक लड़े थे। जिन्होंने माओवादियों के हाथों अपने परिवार खोए थे, और जिनका रातों को खौफ देखते ही बनता था, उनको इस तरह दिन में देखना किसी चमत्कार से कम नहीं लग रहा था वहीं इस मौके पर बस्तर रेंज के आईजी पी. सुंदरराज ने कहा, कि यह एक अलग तरह का पुनर्वास है। यह किसी स्कूल के बच्चे के हॉस्टल में पहले दिन जैसा ही है। पहला कदम उन्हें सहज महसूस कराना है। सालों तक जंगल में रहने के मनोवैज्ञानिक सदमे से बाहर निकलना आसान नहीं है। जिनका जीवन रात को जागकर और दिन को घातें लगाकर निकला वो, उनके लिए तनाव रहित सामाजिक जीवन जीना और सांचे में ढलने के लिए थोड़ा समय लगेगा।

6 नहीं 10 सीटों पर चुनाव लड़ सकता है जेएमएम

सुप्रियो भट्टाचार्य बोले- बिहार में झामुमो के साथ हमेशा धोखा हुआ, अब समझौता नहीं

पटना **(एजेंसी)**। बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक है। जेएमएम बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन से अलग होकर बिहार चुनाव लड़ेगा। जेएमएम ने इसकी घोषणा की है। जेएमएम अकेले 6 सीटों पर चुनाव लड़ेगा। 6 सीटों में चकाई, धमदाहा, कटोरिया, पिरपैंती, मनीहारी, जमुई शामिल हैं।

पार्टी कार्यालय में मीडिया कर्मियों से बातचीत करने के दौरान झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि सीटों की यह संख्या 10 तक भी जा सकती है। बिहार विधानसभा चुनाव के बाद झामुमो झारखंड में गठबंधन की समीक्षा भी करेगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित करेगा कि बिहार में झामुमो के बगैर सरकार नहीं बनने पाए। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि झामुमो के साथ हमेशा धोखा हुआ है। बिहार में बार-बार धोखा हुआ है। पार्टी कुछ भी बर्दाश्त कर सकती है, लेकिन आत्म सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि 2019 के चुनाव में हमने झारखंड में राजद को सात सीटें दी। उसमें केवल एक प्रत्याशी जीता। उसे भी हमने पांच साल तक मंत्री बनाए रखा। 2024 के झारखंड विधानसभा चुनाव में भी राजद को छह सीटें दी गयी। उसमें भी राजद के एक विधायक को मंत्री बना कर सम्मान देने का काम किया गया। हम हमेशा सम्मान करते रहे और हमारे साथ हमेशा धोखा होता रहा। सुप्रियो भट्टाचार्य ने बताया कि बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी के 20 स्टार प्रचारक होंगे। इसकी सूची निर्वाचन आयोग को भेज दी गयी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में बिहार में प्रचार अभियान चलाया जाएगा। स्टार प्रचारकों की सूची में विधायक कल्पना सोरेन, विजय हांसदा, मिथिलेश ठाकुर, विनोद पांडेय, बसंत सोरेन, सुप्रियो

भट्टाचार्य, बैद्यनाथ राम, हेमलाल मुर्मू, सुदिव्य सोनू, अभिषेक प्रसाद पिंटू सहित कई अन्य शामिल हैं।

ज्ञात हो कि शुरू में झामुमो ने बिहार विधानसभा चुनाव में 16 सीटों देने की मांग की थी। बाद में झामुमो 12 सीटों पर आ गया। सीटों के लिए झामुमो महासचिव विनोद कुमार पांडेय और मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने पटना में बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव, झारखंड प्रभारी जय प्रकाश नारायण यादव, भोला यादव व अन्य वरीय नेताओं से मुलाकात भी की।

बता दें कि 2 चरणों में बिहार चुनाव कराए जाएंगे। 6 और 11 नवंबर को वोट डाले जाएंगे और 14 नवंबर को नतीजों का एलान होगा। वहीं, झारखंड में घाटशिला उपचुनाव 11 नवंबर को कराया जाएगा और 14 नवंबर को नतीजे का एलान होगा।

एमपी में बड़ी कार्रवाई

100 करोड़ की अवैध संपत्ति वाले अफसर पर शासन की सर्जिकल स्ट्राइक, तत्काल सस्पेंड

रीवा/भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश शासन ने लोकायुक्त की कार्रवाई के बाद उपायुक्त संभागीय उड़नदस्ता रीवा, आलोक कुमार खरे को सस्पेंड कर दिया है। लोकायुक्त पुलिस द्वारा की गई छापेमारी में करोड़ों रुपए की संपत्ति जब्त की गई थी। इसके बाद आबकारी विभाग की ओर से अभियोजन की स्वीकृति मिलने के बाद इस महीने आलोक खरे के खिलाफ विशेष न्यायालय में चालान पेश किया गया।

वाणिज्यिक कर विभाग ने शनिवार को छुट्टी होने के बावजूद सस्पेंशन का आदेश जारी किया। आदेश में कहा गया है कि तत्कालीन सहायक आबकारी आयुक्त इंदौर, आलोक खरे के विरुद्ध लोकायुक्त पुलिस भोपाल ने अनुपातहीन संपत्ति अर्जित करने के मामले में अपराध क्रमांक 238/2019 दर्ज किया था। आलोक खरे के खिलाफ 4 अप्रैल 2025 को वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा अभियोजन की स्वीकृति दी गई और 8 अक्टूबर को चालान पेश किया गया। निलंबन के दौरान उनका मुख्यालय अपर आबकारी आयुक्त, राज्य स्तरीय उड़नदस्ता, भोपाल निर्धारित किया गया है।

लोकायुक्त ने 6 साल पहले सहायक आबकारी आयुक्त के पद पर पदस्थ आलोक खरे के भोपाल, इंदौर, रायसेन और छतरपुर में 7 ठिकानों पर छापेमारी की थी। शुरुआती जांच में लगभग 100 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति का खुलासा हुआ था। जांच में सामने आया कि आलोक खरे ने कई हेक्टेयर जमीनों को पत्नी मीनाक्षी के नाम पर खरीदकर एक बड़े भूखंड में परिवर्तित किया और उस पर भव्य महलनुमा आवास बनाया, जिसकी निर्माण और सजावट पर करोड़ों रुपए खर्च किए गए।

वीआईपी कल्चर छोड़ सड़क किनारे शॉपिंग करने पहुंचीं केंद्रीय मंत्री

किया यूपीआई पेमेंट, ई रिक्शा में किया सफर

धार **(एजेंसी)**। केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने इस दीपावली अपने गृह नगर धामनोद के लोकल मार्केट से खरीदी करते हुए वीआईपी कल्चर को पीछे छोड़ दिया। मंत्री ने बाजार से दीपक-बर्तन और साज-सज्जा का सामान खरीदा और पूरा भुगतान अपने फोन के माध्यम से यूपीआई से किया। सावित्री ठाकुर ने बताया कि दीपावली और अन्य त्योहारों के समय वह हमेशा लोकल मार्केट से ही खरीदारी करती हैं। इसका उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'लोकल फॉर वोकल' के संदेश को समर्थन देना और स्थानीय व्यापारियों को बढ़ावा देना है। व्यापारियों ने केंद्रीय राज्य मंत्री के इस कदम पर खुशी जताई। खास बात यह रही कि मंत्री बाजार में इलेक्ट्रॉनिक रिक्शा (ऑटो) से आईं और खरीदी के सभी लेन-देन डिजिटल माध्यम से किए। यह पहल स्थानीय अर्थव्यवस्था और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण मानी जा रही है।

मंत्री कैलाश ने वृद्धाश्रम में मनाई दीपावली, गाए भजन, नाचते दिखे बुजुर्ग

बोले- घर की लक्ष्मी को प्रसन्न रखना ही असली पूजा

भोपाल **(एजेंसी)**। परदेसीपुरा स्थित इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स के पास वृद्धाश्रम समाज कल्याण परिसर में इस साल भी दीपावली का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक रमेश मेंदोला, नगर निगम जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौर सहित कई जनप्रतिनिधि और समाजसेवी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत पौधरोपण से हुई। इसके बाद बच्चों और बुजुर्गों ने मिलकर दीप प्रज्वलन और आतिशबाजी के साथ दीपावली मनाई। माहौल में भक्ति और उल्लास का संगम देखने को मिला। स्कूल के बच्चों ने भी कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया। आयोजन के दौरान भजनों की प्रस्तुति दी गई और अंताक्षरी प्रतियोगिता ने सभी को उत्साहित कर दिया। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया और मंच से अपने संबोधन में परिवार और समाज के मूल्यों पर बात की।

अपने संबोधन में मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि दीपावली का संदेश यही है कि घर की लक्ष्मी को हमेशा प्रसन्न रखो। घर में साफ-सफाई और सकारात्मकता बनाए रखो। ईश्वर जाति या धर्म नहीं देखते, वे वहीं आते हैं जहां प्रसन्नता और पवित्र भावना होती है। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज़ में विधायक रमेश मेंदोला की चुटकी लेते हुए कहा कि अब रमेशजी क्या ले जाएंगे, चक्कर ये है कि किसके लिए ले जाएंगे। इस पर मंच पर मौजूद लोगों ने ठहाके लगाए। विजयवर्गीय ने महिलाओं से कहा कि भोजन बनाते समय मोबाइल ऑन न करें, बल्कि कीर्तन करें या भगवान का नाम लें। भोजन बनाते वक्त विचार अच्छे होने चाहिए। भगवान भाव के भूखे हैं। बहन भी लक्ष्मी का स्वरूप है, भाईदूज पर बहन को खुश रखना चाहिए।

बल्लेबाजों ने किया निराश, ऑस्ट्रेलिया ने वर्षा प्रभावित पहले वनडे में भारत को हराया

पर्थ **(एजेंसी)**। स्टार बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली की बहुचर्चित वापसी फ्लॉप रही और भारत को रविवार वर्षा प्रभावित पहले एकदिवसीय मैच में ऑस्ट्रेलिया के हाथों सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा। भारत ने केएल राहुल (38), अक्षर पटेल (31) और नीतीश कुमार रेड्डी (नाबाद 19) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर निर्धारित 26 ओवर में नौ विकेट पर 136 रन बनाये, लेकिन डकवर्थ लुईस निमय के तहत ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 131 रनों का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया ने 21.1 ओवर में तीन विकेट पर 131 रन बनाकर जीत हासिल की और तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से कप्तान मिचेल मार्श ने शानदार पारी खेलते हुए 52 गेंदों पर दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 46 रन की मैच विजयी पारी खेली। उन्होंने मैट रेनशॉ के साथ चौथे विकेट की अविजित साझेदारी में नाबाद 32 रन जोड़े। मैट रेनशॉ ने 24 गेंदों पर एक चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 21 रन बनाये। जॉश फिलिपे ने 29 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 37 रन का योगदान दिया। ट्रेविस हेड और मैथ्यू शाटर् आठ-आठ रन बनाकर आउट हुये। भारत की तरफ से अर्शदीप सिंह, अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर ने एक-एक विकेट लिया।

बारिश से प्रभावित मैच में ऑस्ट्रेलिया पूरी तरह से भारत पर हावी रहा। पहले भारत को 26 ओवर के मैच में 136 पर रोका और उन्हें डीएलएस प्रणाली के हिसाब से 131 का लक्ष्य मिला। हेड और शॉटर् के रूप में ऑस्ट्रेलिया को शुरुआती झटके लगे लेकिन कप्तान मिचेल मार्श अंत तक डटे रहे और फ़िलिपे और फिर रेनशॉ के साथ साझेदारी करते हुए ऑस्ट्रेलिया का बेड़ा पार कर दिया। ऑप्टस स्टेडियम पर यह ऑस्ट्रेलिया की पहली जीत भी है। इससे पहले आज यहां टॉस हारने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने चौथे ओवर की चौथी गेंद पर रोहित शर्मा (आठ) का विकेट गंवा दिया। उन्हें जॉश हेजलवुड ने मैट रेनशॉ के हाथों कैच आउट कराया। उसके बाद सातवें ओवर की पहली गेंद पर मिचेल स्टाकर् ने विराट कोहली को बिना खाता खोले ही पवेलियन भेज दिया। कप्तान शुभमन गिल (10) रन बनाकर आउट हुए।

एक समय भारत ने 25 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गंवा दिए थे। उसके बाद 37 के स्कोर पर बारिश शुरु हो गई और खेल को रोकना पड़ा। बारिश रुकने के बाद मैच को 26 ओवरों का कर दिया गया। इस दौरान अक्षर पटेल और केएल राहुल ने पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट लिए 39 रन जोड़े। 20वें ओवर की आखिरी गेंद पर मैथ्यू कुनमन ने अक्षर पटेल को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। अक्षर पटेल ने 38 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 31 रन बनाये। वॉशिंगटन सुंदर (11) को भी कुनमन ने आउट किया। इसके बाद तेजी से रन बनाने के प्रयास में भारतीय बल्लेबाज विकेट गंवाते चले गये। भारत ने 26 ओवर में नौ विकेट पर 136 का स्कोर बनाया। नीतीश कुमार रेड्डी 11 गेंदों में दो छक्कों की मदद से 19 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से जॉश हेजलवुड, मैथ्यू कुनमन और मिचेल ओवेन ने दो-दो विकेट लिये। मिचेल स्टाकर् और नेथन एलिस ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

प्लेइंग इलेवन

भारत : रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेट कीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, नितीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह

ऑस्ट्रेलिया : ट्रैविस हेड, मिशेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश फिलिप (विकेट कीपर), मैट रेनशॉ, कूपर कोनोली, मिशेल ओवेन, मिशेल स्टार्क, नाथन एलिस, मैथ्यू कुहनेमैन, जोश हेज़लवुड।

दीप्ति शर्मा ने रचा इतिहास वनडे में 2000 रन और 150 विकेट लेने वाली पहली भारतीय बनी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दीप्ति शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ महिला विश्व कप 2025 के मुकाबले में बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। दीप्ति महिला वनडे में 2000 रन और 150 विकेट लेने वाली चौथी महिला क्रिकेटर बन गई है। दीप्ति यह रिकॉर्ड बनाने वाली वह पहली भारतीय महिला क्रिकेटर भी हैं। महिला वनडे में 2000 रन और 150 विकेट हासिल करने के मामले में पहली तीन महिला खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया की एलिसा पेरी, वेस्टइंडीज की स्टेफनी टेलर और दक्षिण अफ्रीका की मारिजैन कैप हैं। मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला करते हुए विकेटकीपर बल्लेबाज एमी जोन्स (56) की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 25 ओवर पूरे होने तक 2 विकेट के नुकसान पर 120 रन बनाए।

शुभमन गिल ने ऑस्ट्रेलिया के हाथों पहला वनडे हारने की वजह बताई

पर्थ **(एजेंसी)**। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने ऑस्ट्रेलिया से पहला वनडे रविवार को 7 विकेट से हारने के बाद कहा कि पॉवरप्ले में तीन विकेट गंवाने के बाद वापसी करना मुश्किल होता है। शुभमन गिल ने मैच के बाद प्रेजेंटेशन में कहा, 'पावरप्ले में तीन विकेट गंवाना कभी भी आसान नहीं होता, आप हमेशा बराबरी का खेल खेलने की कोशिश करते हैं। इस मैच से बहुत कुछ सीखने को मिला और कई सकारात्मक बातें भी। 131 रनों का बचाव करते हुए हम मैच को काफी आगे तक ले गए और इससे हम बहुत संतुष्ट हैं। हम बहुत खुशकिस्मत हैं कि हम जहां भी खेलते हैं, दर्शक बड़ी संख्या में आते हैं।' प्लेयर ऑफ द मैच मिचेल मार्श ने कहा, 'आज मौसम ने अपना असर दिखाया। सभी दर्शकों का बहुत-बहुत शुक्रिया जो मैदान पर डटे रहे। मुझे पता है कि ये दिन वाकई निराशाजनक हो सकते हैं, लेकिन जीत हासिल करना अच्छा लगता है। घर में जीतना हमेशा अच्छा लगता है। मुझे ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलना बहुत पसंद है। (रन-चेज पर) थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा था। हम जानते थे कि दोनों टीमों के लिए यही स्थिति रहने वाली है, इसलिए वहां से जीतना थोड़ा चुनौतीपूर्ण था।'

उन्होंने कहा, 'जिस तरह से हमारे युवा खिलाड़ी मैदान पर उतरे और मैच को संभाला और हमें जीत दिलाई, उस पर मुझे गर्व है। (जोश फिलिप) मैदान पर आए और उन्होंने इसे बहुत आसान बना दिया, है ना? युवा खिलाड़ियों का मैदान पर आना मज़ेदार होता है। जरूरी नहीं कि वे युवा ही हों, बल्कि युवा खिलाड़ी मैदान पर आ रहे हैं। आप बस यही चाहते हैं कि वे मजे करें और इसका आनंद लें। वनडे क्रिकेट में, हमें हर समय बड़ी भीड़ के सामने खेलने का मौका नहीं मिलता, इसलिए मैंने उनसे कहा कि वे इसका पूरा आनंद लें।'

लियोनेल मेस्सी की मेजर सॉकर लीग में दूसरी हैट्रिक, अब तक कर चुके हैं कुल इतने गोल

नैशविले (अमेरिका) **(एजेंसी)**। दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी ने मेजर सॉकर लीग (एमएलएस) में अपने करियर की दूसरी हैट्रिक बनाई, जिससे इंटर मियामी ने नैशविले एससी पर 5-2 से जीत हासिल की। मेस्सी एमएलएस के वर्तमान सत्र में अभी तक 29 गोल कर चुके हैं और वह इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं।

पिछली बार उन्होंने इंटर मियामी की न्यू इंग्लैंड रेवोल्यूशन पर 6-2 की जीत में हैट्रिक बनाई थी। इंटर मियामी के डिफेंडर इयान फ्रे ने कहा 'यह बिल्कुल स्पष्ट है कि वह (मेस्सी) हर मैच में हमारी जीत में अहम भूमिका निभाते हैं। उनकी प्रशंसा करने के लिए मेरे पास पर्याप्त शब्द नहीं हैं।'

बंगलादेश ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए नासुम को टीम में किया शामिल

ढाका **(एजेंसी)**। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को कहा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रही एकदिवसीय सीरीज के लिए बांए हाथ के स्पिनर नासुम अहमद को टीम में शामिल किया गया है। 30 वर्षीय नासुम ने 18 एकदिवसीय मैचों में 4.48 की इकॉनमी से 16 विकेट लिए हैं। उन्होंने आखिरी बार दिसंबर 2024 में एकदिवसीय मैच में खेला था।

सीरीज के पहले मैच में शनिवार को मीरपुर में शेर-ए-बांग्ला राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच मंर धीमी पिच पर दोनों टीमों के स्पिनरों ने प्रभावी भूमिका निभाई और इसी को देखते हुए नासुम को टीम में शामिल किया गया। वेस्टइंडीज के बाए हाथ के स्पिनर खैरी पियरे ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवरों में 19 रन देकर एक विकेट लिया, जबकि ऑफ स्पिनर रोस्टन चेज ने मेहमान टीम के लिए दो विकेट लिए। बंगलादेश ने रिशाद हुसैन और तनवीर इस्लाम की शानदार गेंदबाजी के दम पर यह मैच जीत लिया था। इन दोनों गेंदबाजों ने मैच में आठ विकेट लिये थे। दूसरा और तीसरा वनडे मैच 21 और 23 अक्टूबर को इसी मैदान पर खेला जाएगा।

बांग्लादेश टीम : मेहदी हसन मिराज (कप्तान), तनजीद हसन तमीम, सौम्य सरकार, मोहम्मद सैफ हसन, नजमुल हुसैन शान्तो, तौहीद हृदोय, महिदुल इस्लाम अंकोन, जेकर अली अनिक, शमीम हुसैन, काजी नुरुल हसन सोहन, रिशाद हुसैन, तनवीर इस्लाम, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, तनजीम हसन साकिब, हसन महमूद, नसुम अहमद।

जीएसटी दरों में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंच रहा, 54 वस्तुओं की कीमतों पर सरकार की नजर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि जीएसटी सुधारों का लाभ कम कीमतों के रूप में उपभोक्ताओं को मिल रहा है। जीएसटी बचत उत्सव पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार 22 सितंबर को जीएसटी की कम दरें लागू होने के बाद से देश भर में 54 वस्तुओं की कीमतों पर नजर रख रही है। सीतारमण ने कहा, ''जीएसटी दरों में कमी के चलते खरीदारी बढ़ी है। उपभोग में वृद्धि का सिलसिला जारी रहेगा।'' उन्होंने आगे कहा, ''हमें भरोसा है कि ऐसी हर वस्तु पर कंपनियां उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचा रही हैं।'' उन्होंने बताया कि कुछ वस्तुओं के मामले में व्यवसायों ने जीएसटी दर कटौती से अधिक लाभ उपभोक्ताओं को दिया है। सीतारमण ने कहा कि उपभोक्ता मामलों के विभाग को जीएसटी कटौती के अनुरूप कीमतों में कमी न करने से संबंधित 3, 169 शिकायतें मिली हैं। इनमें से 3, 075 शिकायतें केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के नोडल अधिकारियों को भेज दी गई हैं। विभाग ने 94 शिकायतों का समाधान किया है। वित्त मंत्री ने कहा कि विभाग शिकायत पोर्टल पर एक सुविधा उपलब्ध कराएगा, ताकि शिकायतों को उन संबंधित क्षेत्रों के मुख्य आयुक्तों को भेजा जा सके जहां से शिकायतें मिली हैं।

भारत-चीन के बीच बढ़ा नया तनाव

अब रेयर अर्थ मेटल्स की सप्लाई पर संकट, भारत ने रूस का रुख किया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत और चीन के बीच एक नया आर्थिक विवाद खड़ा हो गया है। चीन ने अब रेयर अर्थ मेटल्स और परमानेंट मैग्नेट्स की सप्लाई पर सख्त नियंत्रण लगा दिया है। चूंकि भारत अपनी जरूरत का करीब 65इ रेयर अर्थ मेटल चीन से आयात करता है, ऐसे में यह कदम भारत के लिए चिंता का विषय बन गया है।

हालांकि, इसी बीच एक सकारात्मक विकास भी सामने आया है। भारतीय कंपनियों ने इस निर्भरता को कम करने के लिए रूस के साथ साझेदारी की संभावनाएं तलाशनी शुरू कर दी हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत और रूस के बीच इस विषय पर प्रारंभिक चरण की बातचीत जारी है। केंद्र सरकार आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है और विदेशी आयातों के नए विकल्प खोज रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत ने लगभग 2, 270 टन रेयर अर्थ मेटल का आयात किया था। भारत सरकार ने रूस से बातचीत के लिए लोहम और मिडवेस्ट नामक दो कंपनियों को चुना है। ये कंपनियां रूस की खनन और प्रोसेसिंग कंपनियों के साथ साझेदारी के अवसर तलाशेंगी।

इसके साथ ही, सीएसआईआर, इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स (धनबाद) और इंस्टीट्यूट ऑफ मिनरल्स एंड मटेरियल्स टेक्नोलॉजी (भुवनेश्वर) को रूस की तकनीकों का अध्ययन करने का जिम्मा दिया गया है। रूस की ओर से इस साझेदारी में नोर्निकेल और रोसाटॉम जैसी सरकारी कंपनियां शामिल हो सकती हैं।

वर्तमान में वैश्विक रेयर अर्थ प्रोसेसिंग पर चीन का 90इ नियंत्रण है। हालांकि, रूस ने हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में अपनी तकनीकी क्षमता को काफी बढ़ाया है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर भारत और रूस साथ आते हैं, तो वे इस बाजार में चीन के प्रभाव को चुनौती देने वाले नए खिलाड़ी बन सकते हैं। हाल ही में भारत सरकार ने रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट उत्पादन के लिए 7, 350 करोड़ रुपए की योजना पर भी चर्चा की है। इसका उद्देश्य देश में उत्पादन बढ़ाना और विदेशी आयात पर निर्भरता कम करना है।

क्रिप्टो मार्केट में भूचाल, दो दिन में 15 लाख करोड़ रुपए का नुकसान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। क्रिप्टोकरेंसी मार्केट पिछले दो दिन से भारी गिरावट का सामना कर रहा है। बिटकॉइन, बाइनेंस और रिपल सहित सभी प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी गिर गई हैं। 16 अक्टूबर सुबह 10 बजे से 18 अक्टूबर सुबह 10 बजे तक, डिजिटल संपत्ति बाजार का मार्केट कैप करीब 15 लाख करोड़ रुपए घट गया।कॉइनमार्केटकैप के अनुसार, खबर लिखे जाने तक बिटकॉइन 1.06 लाख डॉलर पर कारोबार कर रही थी, जबकि दो दिन पहले यह 1.11 लाख डॉलर थी। पिछले 48 घंटे में बिटकॉइन में 4इ से अधिक की गिरावट आई।

शुक्रवार को यह 1, 03, 550 डॉलर तक गिर गई थी। 6 अक्टूबर को बिटकॉइन ने 1.26 लाख डॉलर का अपना रिकॉर्ड स्तर बनाया था, जो अब काफी नीचे है।

विश्लेषकों का कहना है कि इस गिरावट का मुख्य कारण अमेरिका और चीन के बीच बढ़ता तनाव है। निवेशक सुरक्षित विकल्पों की ओर लौट रहे हैं। बिटकॉइन के अलावा, अन्य क्रिप्टोकरेंसी या 'ऑल्टकॉइन्स' भी प्रभावित हुए हैं, जिनमें से कई ने 80इ तक गिरावट देखी। ईथर की कीमत भी 3, 700 डॉलर से नीचे आ गई, जो अगस्त के अपने उच्चतम स्तर से 24इ की गिरावट है। विश्लेषकों का मानना है कि यह क्रैश नहीं, बल्कि रीप्राइसिंग है। क्रिप्टो मार्केट मेकर विंटरम्यूट के को-फाउंडर योआन टर्पिन के अनुसार, बाइनेंस में गिरावट बाजार की सामान्य बिकवाली और कीमतों के आकलन का परिणाम है।

कैंसर से जूझ रही नन्ही लिलाह के लिए मसीहा बनीं टेलर स्विफ्ट, दिए 1 लाख डॉलर का दिया समर्थन

पॉप स्टार टेलर स्विफ्ट ने स्टेज 4 ब्रेन कैंसर से पीड़ित दो साल की बच्ची लिलाह के समर्थन में गोफंडमी अभियान में 1, 00, 000 डॉलर का योगदान दिया। यह दान लिलाह की माँ, केटलीन स्मूट द्वारा पोस्ट किए गए एक वायरल वीडियो के बाद दिया गया, जिसमें लिलाह स्विफ्ट के संगीत का आनंद लेती दिखाई दे रही थी। लिलाह के इलाज के लिए मार्च में शुरू किए गए इस अभियान को स्विफ्ट की भागीदारी और संदेश से काफ़ी बढ़ावा मिला। परिवार की अपील और लिलाह के स्विफ्ट के साथ जुड़ाव ने तुरंत लोगों का ध्यान खींचा, जिससे ऑनलाइन व्यापक समर्थन मिला।

रोलिंग स्टोन के अनुसार, लिलाह को दौरा पड़ने के बाद इसका पता चला। केटलीन स्मूट ने बताया कि लिलाह को 'एक बहुत ही दुर्लभ आक्रामक प्रकार का ब्रेन कैंसर' था। इलाज में सर्जरी, कीमोथेरेपी और लंबे समय तक अस्पताल में रहना शामिल था।

परिवार ने लिखाः 'डएमआरआई और एलपी.के बाद, उसे 6 हफ़्ते का प्रोटॉन रेडिएशन दिया जाएगा, जिसके लिए हमारे परिवार को डफिलाडेल्फिया के चिल्ड्रन हॉस्पिटल. जाना होगा। हम घर से कुछ सौ मील दूर होंगे। हमें मिलने वाले सभी दान से हमें यात्रा खर्च और बिल चुकाने में मदद मिलेगी क्योंकि लिला के इलाज के दौरान हम अभी भी बेरोजगार हैं।'

यह खबर तब चर्चा में आई जब केटलीन ने एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें लिला टेलर स्विफ्ट का वीडियो देखते हुए स्क्रीन की ओर इशारा करते हुए कहती हैं, 'यह मेरी दोस्त है!' केटलीन ने आगे बताया कि उनकी बेटी अपने आईपैड पर स्विफ्ट का वीडियो देखते हुए गायिका को अपनी 'दोस्त' कहती है। यह पोस्ट कई लोगों को पसंद आया और स्विफ्टीज़ और आम लोगों ने समर्थन भरे संदेश भेजे।

स्विफ्ट के दान के बाद, प्रशंसकों ने स्विफ्ट के सम्मान में योगदान दिया, कुछ ने तो उनके पसंदीदा गीत के साथ 13 अमेरिकी डॉलर की बढ़ोतरी की। केटलीन ने परिवार की प्रतिक्रिया को संक्षेप में इस प्रकार व्यक्त कियाः 'टेलर स्विफ्ट, आपका धन्यवाद शब्दों से परे है। अब हम अपनी बच्ची के साथ यहाँ रहने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। सच में, हम आपके बहुत आभारी हैं। आपको अंदाज़ा भी नहीं है कि यह हमारे परिवार के लिए क्या मायने रखता है।'

इंदौर की बहू बनेंगी स्मृति मंधाना! बॉयफ्रेंड पलाश मुच्छल ने शादी पर लगाई मुहर

म्यूजिक डायरेक्टर और फिल्ममेकर पलाश मुच्छल ने क्रिकेटर स्मृति मंधाना से अपनी शादी की खबर को कंफर्म किया है। हाल ही में स्टेट प्रेस क्लब में एक कार्यक्रम के दौरान, इंदौर निवासी पलाश से स्मृति के साथ उनके रिश्ते के बारे में पूछा गया।

पलाश और स्मृति के बीच रिलेशनशिप की खबरें बार-बार आती रही हैं। पलाश अक्सर अपने इंस्टाग्राम पर उनके साथ तस्वीरें शेयर करते रहते हैं। हालांकि, दोनों ने कभी भी सार्वजनिक रूप से अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की है। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, पलाश ने कहा, 'वह जल्द ही इंदौर की बहू बनेगी... बस इतना ही कहना चाहता हूं। मैंने आपको हेडलाइन दे दी है।' हालांकि, पलाश ने अपनी शादी की तारीख या अन्य जानकारी शेयर नहीं की।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान और सलामी बल्लेबाज स्मृति इन दिनों इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को होने वाले आईसीसी महिला विश्व कप वनडे मैच के लिए इंदौर में हैं। पलाश ने कहा, 'मेरी शुभकामनाएं भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर और स्मृति (मंधाना) के साथ हैं। हम हमेशा यही चाहते हैं कि भारतीय क्रिकेट टीम हर मैच जीते और देश का नाम रोशन करे।'

इस साल की शुरुआत में, जुलाई में, पलाश ने स्मृति के जन्मदिन पर इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की थी। पलाश ने लिखा था, 'शुरू से ही, आप उथल-पुथल में मेरी शांति, मेरी सबसे बड़ी चीयरलीडर और मेरे जानने वालों में सबसे प्रेरणादायक रही हैं - मैदान पर और मैदान के बाहर, आपने मुझे दिखाया है कि दबाव में संयम कैसा होता है और शांत शक्ति वास्तव में क्या होती है। म्यूजिक डायरेक्टर और फिल्ममेकर अपनी बहन पलक मुच्छल के साथ कई बॉलीवुड फिल्मों में म्यूजिक दिया है। वर्तमान में, पलाश अपनी निर्देशित फिल्म 'राजू बाजेवाला' की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म में अविका गौर और चंदन रॉय मुख्य भूमिकाओं में हैं। मार्च 2014 में पलाश की पहली फिल्म ढिशकियाऊं में रिलीज हुई थी। उन्होंने भूतनाथ रिटर्न्स, ढिशकियाऊं और अमित साहनी की लिस्ट के लिए भी म्यूजिक तैयार किया है। पलाश के प्रसिद्ध गाने पार्टी तो बनती है (भूतनाथ रिटर्न्स), तू ही है आशिकी (ढिशकियाऊं) जैसे गाने काफी लोकप्रिय हुए हैं।

रामनगरी अयोध्या ने दीपोत्सव पर दो विश्व कीर्तिमान गढ़े, 26 लाख दीये और 2100 वेदाचार्यों की सरयू आरती

अयोध्या में 26.11 लाख दीयों और सरयू आरती के दो विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले भव्य दीपोत्सव के अवसर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर हमला बोलने के लिए एक मंच के रूप में इस्तेमाल किया। उन्होंने सपा पर अयोध्या को वर्षों तक अंधेरे में रखने और राम मंदिर आंदोलन के दौरान कारसेवकों पर गोली चलाने वालों के 2024 के अभिषेक में अनुपस्थित रहने पर तीखा राजनीतिक कटाक्ष किया।

भगवान राम के घर वापस अयोध्या पहुंचने के उपलक्ष्य में, इस बार दिवाली पर पूरी अयोध्या रोशनी से जगमगा उठी। इस भव्य दीपोत्सव पर अयोध्या के नाम एक नहीं, बल्कि दो विश्व कीर्तिमान दर्ज हुए।

राम की पैड़ी के 56 घाटों पर 26 लाख 11 हजार दीये जलाए गए। ड्रोन से

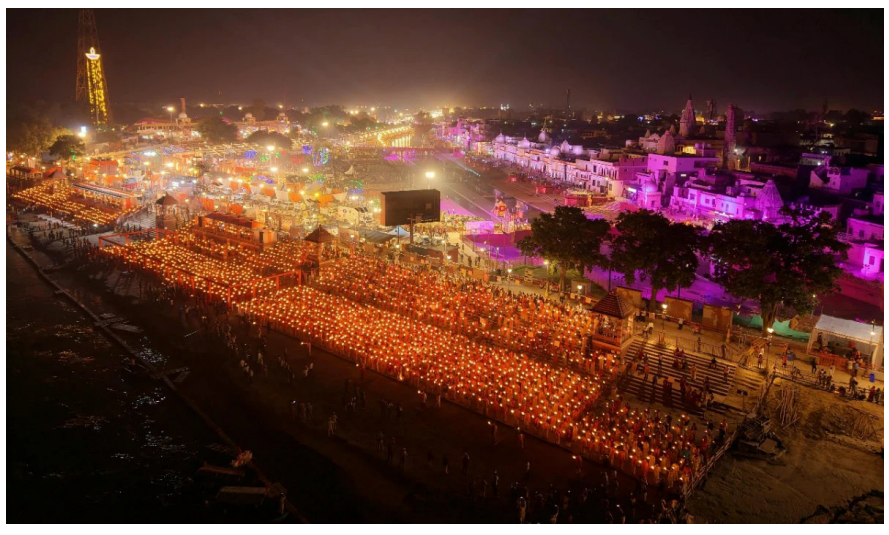

दीयों की गिनती करने के बाद, गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की ओर से स्वप्निल दंगारीकर और कंसल्टेंट निश्चल बरोट ने इस नए कीर्तिमान की घोषणा की। यह अयोध्या का लगातार नौवां विश्व रिकॉर्ड है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अद्भुत और अविस्मरणीय पल के साक्षी बने।

दूसरा रिकॉर्ड सरयू आरती का रहा, जिसमें एक साथ 2100 वेदाचार्यों ने हिस्सा लिया। योगी सरकार ने यह अनोखा रिकॉर्ड दूसरी बार हासिल किया है।

सीएम योगी का सपा पर तीखा हमला

दीपोत्सव मनाने शहर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर का उपयोग समाजवादी पार्टी पर निशाना साधने के लिए किया। उन्होंने कहा कि सपा ने शहर को वर्षों तक अंधेरे में रखा।

आदित्यनाथ ने सपा के विरोधियों और बीजेपी की तुलना करते हुए एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा, 'जिन लोगों ने (राम मंदिर आंदोलन के दौरान कारसेवकों पर) गोलियां चलाईं, वे 2024 में राम मंदिर के अभिषेक के लिए कभी नहीं आए।'

अश्विनी वैष्णव ने आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन का जायजा लिया, यात्रियों से सीधे बातचीत की

गोरखपुर। केंद्रीय रेल, सूचना प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने त्योहारों के मौसम में यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए आज आनंद विहार रेलवे स्टेशन का औचक निरीक्षण किया।

मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्टेशन पर होल्डिंग एरिया का निरीक्षण किया। उन्होंने यात्रियों से सीधे बातचीत की। इस दौरान उन्होंने यात्रियों से रेलवे परिसर की स्वच्छता और प्रदान की जा रही सुविधाओं के बारे में प्रतिक्रिया (फीडबैक) ली।

मीडिया से बातचीत करते हुए श्री वैष्णव ने कहा कि यात्रियों की भारी भीड़ के बावजूद उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए रेलवे ने व्यापक इंतजाम किए हैं। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर रेलवे को लेकर भ्रामक वीडियो फैलाने वालों पर कार्यवाही की जा रही हैं । साथ ही अपील की कि रेलवे को लेकर भ्रामक वीडियो न

फैलाएं।

इस निरीक्षण के दौरान, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार और उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा सहित रेलवे के कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

निरीक्षण के बाद अश्विनी वैष्णव ने विश्वास व्यक्त किया है कि भीड़ प्रबंधन और यात्री सुविधाओं के लिए किए गए ये व्यापक इंतजाम आगामी दीवाली और छठ जैसे प्रमुख त्योहारों के दौरान लाखों यात्रियों के लिए सुगम और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करेंगे।

जम्मू में दो ड्रग तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़, चार महिलाओं समेत आठ गिरफ्तार

जम्मू पुलिस ने दो बड़े मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए करोड़ों रुपये की हेरोइन के साथ चार महिलाओं समेत आठ तस्करों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

जम्मू के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोगिंदर सिंह ने बताया कि अलग-अलग मामलों की जांच के बाद जम्मू के राजीव नगर और आर एस पुरा इलाकों में मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया गया। इसके साथ ही पिछले कुछ सप्ताह में यहां किरायेदार के रूप में रह रहे पंजाब के कुछ निवासियों सहित 18 से अधिक मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया कि राजीव नगर निवासी कुख्यात ड्रग तस्कर विशाल कुमार को 275 ग्राम हेरोइन और एक इलेक्ट्रॉनिक वजन तौलने वाली मशीन के साथ गिरफ्तार किया गया।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पूछताछ के बाद रीना को गिरफ्तार कर लिया गया और राजीव नगर स्थित उसके घर से 55 ग्राम हेरोइन, वजन तौलने की मशीन और 33,490 रुपये बरामद किए गए।

उन्होंने बताया कि उसकी तीन अन्य महिला सहयोगियों शीतल, पायल और काजल को भी गिरफ्तार कर लिया गया और उनके पास से 13 ग्राम हेरोइन, दो वजन तौलने की मशीनें और 3050 रुपये जब्त किए गए।

सिंह ने बताया कि एक अन्य मादक पदार्थ गिरोह के भंडाफोड़ में तीन मादक पदार्थ तस्करों - पंजाब के इंद्रजीत और विशाल कुमार तथा जगदीश राज को आर एस पुरा के चक तालाब इलाके से गिरफ्तार किया गया। उनके पास से 186 ग्राम हेरोइन जब्त की गई।

हिमाचल सरकार अनाथ बच्चों के लिए नई कल्याणकारी योजनाएं शुरू करेगीः मुख्यमंत्री सुक्खू

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार अनाथ और मुश्किल का सामना कर रहे बच्चों के लिए जल्द ही नई कल्याणकारी योजनाएं शुरू करेगी ताकि उनका समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने टूटीकंडी बाल आश्रम का दौरा किया। उन्होंने आश्रम के बच्चों के साथ दिवाली मनाई, उनसे बातचीत की और उपहार एवं मिठाइयां बांटीं। आश्रम के बच्चों और कर्मचारियों ने पारंपरिक मिट्टी के दीयों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ उनका स्वागत किया। सुक्खू ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा, "दिवाली की सच्ची भावना खुशी, करुणा और एकजुटता को साझा करने में निहित है। ये बच्चे हमारा भविष्य हैं और यह सुनिश्चित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि वे प्यार, सम्मान और अवसरों के साथ बड़े हों।"

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अनाथ बच्चों को गोद लिया है और न केवल उनकी शिक्षा का खर्च वहन कर रही है, बल्कि उन्हें जेब खर्च के रूप में 4,000 रुपये प्रति माह भी दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, "राज्य के सभी बाल आश्रमों में आवासीय सुविधाओं को उन्नत किया जाएगा, साथ ही अन्य सुविधाएं भी बढ़ाई जाएंगी।"

उन्होंने घोषणा की कि बाल आश्रमों के बच्चों के लिए हर साल 14 नवंबर को खेल दिवस का आयोजन किया जाएगा, जिसके लिए राज्य सरकार आवश्यक बजटीय आवंटन करेगी। सुक्खू ने कहा, "बाल आश्रमों के विद्यार्थियों को बेहतर अनुभव और सीखने का अनुभव प्रदान करने के लिए उन्हें राज्य के बाहर शैक्षिक भ्रमण पर भेजा जाएगा।

दिल्ली में राम राज्य स्थापित होना चाहिए : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित दीपोत्सव कार्यक्रम के तहत शनिवार को कर्त्तव्य पथ को 1.51 लाख दीयों से सजाया गया और ड्रोन के जरिये रामायण-थीम वाले लेजर शो से आसमान जगमगा उठा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पिछले सात महीनों में अपनी सरकार की विभिन्न उपलब्धियों का हवाला देते हुए कहा कि दिल्ली में "राम राज्य" स्थापित होना चाहिए।

उन्होंने कहा, "हम दिल्ली के लोगों की सेवा कर रहे हैं। दिल्ली में राम राज्य स्थापित होना चाहिए, जहां व्यापारियों को अपना व्यवसाय करने में कोई समस्या न हो, छात्रों को शिक्षा प्राप्त करने की सुविधाएं हों और लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हों।"

गुप्ता ने कहा कि उनकी सरकार आने वाले वर्षों में दिल्ली को एक स्वच्छ और सुंदर स्थान बनाएगी। मुख्यमंत्री ने कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा, मनजिंदर सिंह सिरसा और रवींद्र इंद्राज के साथ मिलकर कर्तव्य पथ पर दीये जलाए।

इस अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। ड्रोन लेजर शो के दौरान भगवान राम, अयोध्या में राम मंदिर और रामायण एवं दिवाली से जुड़ी विभिन्न थीम को कर्तव्य पथ के ऊपर आकाश में प्रदर्शित किया गया।

डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा दावा, अमेरिकी सेना ने कैरिबियन में ड्रग्स ले जा रही पनडुब्बी नष्ट की

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को घोषणा की कि अमेरिकी सेना ने कैरिबियन सागर में मादक पदार्थों की तस्करी के एक जाने-माने रास्ते से अमेरिकी तटों की ओर आ रही एक संदिग्ध ड्रग्स ले जाने वाली पनडुब्बी (सबमरीन) को नष्ट कर दिया है। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर इस कार्रवाई को 'बहुत सम्मान की बात' बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने पुष्टि की है कि इस पनडुब्बी में ज्यादातर फेंटेनाइल और अन्य अवैध ड्रग्स भरे हुए थे।

ट्रंप ने चेतावनी दी कि यह पनडुब्बी एक 'घातक खतरा' थी। उन्होंने दावा किया, 'अगर मैंने इस पनडुब्बी को किनारे पर आने दिया होता, तो कम से कम 25, 000 अमेरिकी मारे जाते।'

ट्रंप के अनुसार, पनडुब्बी पर सवार दो आतंकवादी मारे गए। यह संख्या पहले बताई गई संख्या से एक ज्यादा है। हमले के बाद अमेरिकी सेना ने दो जीवित बचे लोगों को बचाया। ये दोनों इक्वाडोर और कोलंबिया के नागरिक हैं। दोनों बचे हुए लोगों को हिरासत और अभियोजन के लिए उनके मूल देशों, इक्वाडोर और कोलंबिया, वापस भेजा जा रहा है। ट्रंप ने जोर देकर कहा कि इस हमले में किसी भी अमेरिकी सैनिक को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

पेंटागन ने एक्स पर हमले का एक श्वेत-श्याम वीडियो फुटेज पोस्ट किया, जिसमें अर्ध-जलमग्न पनडुब्बी को लहरों के बीच से गुजरते हुए देखा जा सकता है। क्लिप में जहाज के पिछले हिस्से पर हुए एक सहित, कई विस्फोट दिखाई दिए।

ट्रंप ने इन अभियानों को उचित ठहराते हुए कहा है कि अमेरिका ड्रग कार्टेल के साथ सशस्त्र संघर्ष में लगा हुआ है। वह उसी कानूनी अधिकार का उपयोग कर रहे हैं जिसका उपयोग जॉर्ज डब्ल्यू. बुश प्रशासन ने 9/11 के बाद आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में किया था। इस अधिकार के तहत संदिग्ध तस्करों के साथ दुश्मन लड़ाकों जैसा व्यवहार किया जा रहा है और कार्टेल नेतृत्व के खिलाफ घातक बल का उपयोग किया जा रहा है।

यह अभियान सितंबर की शुरुआत से कैरिबियन में संदिग्ध ड्रग जहाजों पर अमेरिका का कम से कम छठा हमला था, जिससे इस क्षेत्र में संदिग्ध ड्रग जहाजों के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई में मरने वालों की संख्या कम से कम 29 हो गई है। यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब वेनेजुएला सरकार के साथ बढ़ते गतिरोध के कारण कैरिबियन में अमेरिकी सैन्य जमावड़ा बढ़ रहा है, जिसमें लगभग 6, 500 सैनिक और कई युद्धपोत शामिल हैं।

ट्रंप ने अपनी नीति दोहराते हुए कहा है, 'अमेरिका जमीन या समुद्र के रास्ते अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले मादक पदार्थों के आतंकवादियों को बर्दाश्त नहीं करेगा।'

दुनिया के सबसे मशहूर मुसी डू लूव्र में करोड़ों की चोरी, 7 मिनट में उड़ाए नेपोलियन के गहने

पेरिस **(एजेंसी)**। फ्रांस का जाना-माना लूवर म्यूजियम, जहां मोना लिसा जैसी दुनिया की सबसे मशहूर पुरानी चीजें और पेंटिंग्स रखी हैं, आज (रविवार) के लिए बंद कर दिया गया है। फ्रांस की एक मंत्री ने म्यूजियम में चोरी होने की खबर दी थी, जिसके बाद यह फैसला लिया गया। म्यूजियम ने अभी तक कुछ नहीं कहा है, लेकिन खबरों के मुताबिक उनके कलेक्शन से नेपोलियन के जमाने के गहने चोरी हुए हैं।

फ्रांस की संस्कृति मंत्री रचिदा दाती ने आज सुबह सबसे पहले चोरी की खबर दी। उन्होंने ऑनलाइन पोस्ट में लिखा, 'आज सुबह लूवर म्यूजियम के खुलने के वक्त चोरी हुई। किसी को चोट नहीं लगी है। मैं म्यूजियम के स्टाफ और पुलिस के साथ मौके पर हूं।'

पेरिस की सरकारी वकीलों की टीम ने मामले की जांच शुरू कर दी है और फिलहाल चोरी हुए सामान के 'नुकसान का अंदाजा' लगा रही है।

न्यूज एजेंसी एएफपी ने पुलिस सूत्रों के हवाले से बताया कि लुटेरे

छोटे चेनसॉ के साथ एक स्कूटर पर आए थे। उन्होंने जिस कमरे को निशाना बनाया, वहां तक पहुंचने के लिए एक सामान ढोने वाली लिफ्ट का इस्तेमाल किया।

फ्रांस के अखबार ले पेरिसियन के मुताबिक, चोरों ने सीन नदी की तरफ़ बन रहे हिस्से से म्यूजियम में एंट्री ली। फिर अपोलो गैलरी के कमरे तक जाने के लिए लिफ्ट का इस्तेमाल किया। रिपोर्ट के अनुसार, चोरों ने खिड़कियां तोड़कर कमरे में घुसपैठ की और कथित तौर पर 'नेपोलियन और महारानी के गहनों के कलेक्शन से नौ गहने' चुरा लिए।

गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने पुष्टि की है कि म्यूजियम से 'बेहद कीमती गहने' चोरी हुए हैं और यह पूरी वारदात सिर्फ 'सात मिनट' तक चली। चोरी हुए सामान की क़ीमत अभी तय की जा रही है।

लूवर के बाहर बैरिकेड्स लगाए गए हैं और जो लोग म्यूजियम खुलने का इंतजार कर रहे थे, उन्हें बाहर रोका गया है। पूरे इलाके में ट्रैफिक भी कंट्रोल किया गया है।

लूवर दुनिया का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला म्यूजियम है, जहां रोजाना 30, 000 तक लोग आते हैं। यहां 33, 000 से ज्यादा कलाकृतियां हैं, जिनमें पुरानी चीजें, मूर्तियां और पेंटिंग्स शामिल हैं। यहां का सबसे बड़ा आकर्षण मोना लिसा है। रविवार को चोरी हुई अपोलो गैलरी में फ्रांस के शाही रत्नों का संग्रह रखा गया था। बता दें, इस म्यूजियम में पहले भी चोरियां हुई हैं। सबसे मशहूर चोरी 1911 में हुई थी, जब लियोनार्डो दा विंची की 'मोना लिसा' को एक पुराने कर्मचारी ने चुरा लिया था। दो साल बाद यह पेंटिंग बरामद हुई थी। आखिरी बड़ी चोरी 1983 में हुई थी, जब पुनर्जागरण काल के दो कवच चोरी हो गए थे, जो 2021 में मिल गए थे।

हमास ने 47वीं बार तोड़ा युद्धविराम! 38 मौतों से गाजा फिर लहूलुहान, नेतन्याहू ने कहा- अब तभी खुलेगी रफाह क्रॉसिंग

येरूशलम। गाजा में जारी संघर्ष के बीच इजराइली सेना ने अक्टूबर की शुरुआत से लागू युद्धविराम का 47वीं बार उल्लंघन किया है, जिसमें 38 लोगों की मौत और 143 घायल हुए हैं। अल जज़ीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, अक्टूबर 2023 से अब तक गाजा में इजराइल की सैन्य कार्रवाई में 68, 116 लोग मारे गए और 1, 70, 200 घायल हुए हैं। वहीं, 7 अक्टूबर के हमलों में इजराइल में 1, 139 लोगों की मौत और लगभग 200 लोगों का अपहरण हुआ था। इसी बीच, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार को घोषणा की कि गाजा और मिस्र के बीच रफाह सीमा क्रॉसिंग को 'अगले आदेश तक बंद' रखा जाएगा, जब तक हमास सभी मृत इजराइली बंधकों के शव वापस नहीं करता।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा- 'रफाह सीमा तभी खोली जाएगी जब हमास मृत बंधकों के अवशेष लौटाने और युद्धविराम समझौते के तहत तय शर्तों को पूरा करेगा।' रफाह सीमा गाजा का इकलौता द्वार था जो इजराइल के सीधे नियंत्रण में नहीं था। यह मानवीय सहायता और नागरिकों के आवागमन के लिए जीवनरेखा मानी जाती थी। इसकी बंदी ने गाजा के लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। हमास ने शनिवार को दो और बंधकों के शव रेड क्रॉस को सौंपे, जिन्हें बाद में इजराइली सेना के हवाले किया गया। इजराइल ने इस घटना को 'अपूर्ण सहयोग' बताते हुए हमास पर युद्धविराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

दूसरी ओर, काहिरा स्थित फलस्तीनी दूतावास ने घोषणा की थी कि रफाह सीमा सोमवार, 20 अक्टूबर को मिस्र के साथ समन्वय के बाद खोली जाएगी, ताकि मिस्र में रह रहे फिलीस्तीनी नागरिक गाजा लौट सकें। हालांकि नेतन्याहू के आदेश के बाद यह निर्णय फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। इस बीच, तेल अवीव में प्रदर्शनकारियों ने सरकार से मांग की कि गाजा में बचे सभी बंधकों के शवों को जल्द से जल्द वापस लाया जाए।

इजराइल ने नेपाली छात्र को अंतिम विदाई दी, हमास ने अपहृत करके मार डाला था

तेल अवीव। इजराइल ने रविवार को एक नेपाली छात्र को अंतिम विदाई दी, जिसका सात अक्टूबर 2023 को हमास ने अपहरण कर लिया था और बाद में उसे कैद में मार दिया गया था। यह जानकारी इजराइल के विदेश मंत्रालय ने दी। मंत्रालय ने बताया कि बिपिन जोशी (23) का पार्थिव शरीर बेन गुरियन हवाई अड्डे पर अंतिम विदाई के बाद नेपाल ले जाया जाएगा। हमास ने जोशी का शव पिछले मंगलवार को लौटाया था और उसकी पहचान फॉरेंसिक जांच के जरिये की गई। यह समारोह 8वीं बख्तरबंद ब्रिगेड स्मारक पर हुआ, जहां अधिकारियों, सैनिकों और आम जनता ने शोक में सिर झुकाया। छात्र जोशी, एक कृषि छात्र, इजराइल के विदेश मंत्रालय के अधीन काम करने वाली अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग एजेंसी, माशाव के तहत एक अंतरराष्ट्रीय कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत इजराइल आया था। जोशी को 7 अक्टूबर को किबुत्ज़ अलुमिम में एक आश्रय से हमास ने बंधक बना लिया था। जोशी ने घायल होने के बावजूद वहां एक ग्रेनेड को रोकने का वीरतापूर्ण कार्य किया था, कई लोगों की जान बची थी। इजराइली विदेश मंत्रालय में उप महानिदेशक और माशाव प्रमुख इनात शलेन, समारोह में शामिल। जोशी रिहायी की वकालत करने के लिए उसकी मां और बहन हाल ही में इजराइल आई थीं। दोनों की यात्रा के दौरान जोशी के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

ज़ेलेंस्की ने कहा : ट्रंप का हर दांव फेल!

पुतिन को केवल शब्दों से रोकना मुश्किल दुनिया से की अपील- अब तो कुछ निर्णायक करो

कीव **(एजेंसी)**। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने रविवार को अमेरिका, यूरोप, जी7 और जी20 देशों को याद दिलाया कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन को रोकने के लिए निर्णायक कदम उठाना आवश्यक है। उन्होंने कहा, लगता है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का हर दांव खाली जा रहा है और पुतिन को केवल शब्दों से नहीं रोका जा सकता, दबाव जरूरी है। दुनिया देख रही है कि रूस केवल ताकत के जवाब में प्रतिक्रिया करता है, जिसका मतलब है कि शक्ति के माध्यम से शांति संभव है।' ज़ेलेंस्की ने ट्विटर पर लिखा कि यूक्रेन आतंकवादियों को उनके अपराधों के लिए कोई इनाम नहीं देगा और हमारे सहयोगियों से उम्मीद है कि वे इस स्थिति को कायम रखें।

उन्होंने जोर देकर कहा कि अमेरिका, यूरोप, जी20 और जी7 देशों से तुरंत निर्णायक कदम उठाने की आवश्यकता है ताकि लोगों की जानों की रक्षा की जा सके। राष्ट्रपति ने रूस पर आरोप लगाया कि वह लगातार हवाई हमलों के जरिए उनके लोगों को आतंकित कर रहा है और युद्ध को समाप्त करने की कोई इच्छा नहीं रखता। ज़ेलेंस्की ने कहा, 'यूक्रेन ने कभी युद्ध नहीं चाहा। हमने बिना शर्त युद्धविराम पर सहमति दी, शांति के अवसर खोजे, और लगातार दुनिया को जमीन, समुद्र और आकाश में हमलों को रोकने के उपाय पेश किए। लेकिन रूस लगातार इस प्रक्रिया में बाधा डालता है, बातचीत को खींचता है और लोगों को हमलों से आतंकित करता है। युद्ध जारी है क्योंकि मॉस्को इसे समाप्त नहीं करना चाहता।' इस बीच, अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और ज़ेलेंस्की के बीच संबंधों में सुधार हुआ है, लेकिन कीव की वास्तविक उम्मीदें अभी पूरी नहीं हुई हैं।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)